लखनऊ

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

मंगलवार, 14 जुलाई, 2026

वर्ष : 11 । अंक: 316

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

UPHIN/2014/57034

इतना काम करिये की काम भी आप का काम देखकर थक जाय।

TODAY WEATHER

DAY 32° Hi

NIGHT 28° Low

संक्षेप

यूपी में मौसम की आंख मिचौली, कहीं बूंदाबांदी तो कहीं चटख धूप, गोरखपुर में भारी बारिश के आसार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में इस वक्त मौसम के अजब-गजब रंग हैं। झमाझम बारिश के बाद मानसून की रफ्तार धीमी पड़ती नजर आ रही है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में उमस भरी गर्मी का आलम है। कुछ जगहों पर हल्की बूंदाबांदी तो कहीं कुछ जिलों में भारी बारिश के आसार बने हैं। राजधानी लखनऊ में सुबह से ही चटख धूप खिली है। उमस के साथ गर्मी यहां आमजन को बेहाल करने लगी है। मौसम विभाग के मुताबिक बीते 24 घंटों में मानसून सामान्य रहा। पश्चिमी यूपी के कुछ जिलों में हल्की-फुल्की और पूर्वी के कुछ हिस्सों में तेज बारिश हुई। 13 जुलाई-सोमवार को भी पश्चिमी यूपी में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी के आसार हैं। जबकि पूर्वी यूपी के सात जिलों में भारी बारिश होने का अनुमान है। मौसम विभाग ने गोरखपुर, देवरिया, संत कबीरनगर, महाराजगंज, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर और बलरामपुर में भारी बारिश की संभावना जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है। तराई के जनपद, बहराइच, लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, मऊ और बलिया में भी बादलों की गरज के साथ वज्रपात के साथ बारिश संभव है। मौसम विभाग ने बरेली, पीलीभीत, रामपुर, सीतापुर में भी गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है। जौनपुर, अयोध्या, सुल्तानपुर, गोंडा, बिजनौर, सहारनपुर समेत आसपास के इलाकों में बौछारे पड़ सकती हैं। मौसम विभाग के मुताबिक आगामी 16 जुलाई तक मानसून की यही स्थिति रहेगी। इस दौरान तामपान में भी दो से चार डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोत्तरी दर्ज की जा सकती है। जाहिर है कि ऐसी स्थिति में गर्मी बढ़ेगी। बारिश के मौसम में उसम के साथ गर्मी थोड़ा तंग कर सकती है।

मानसून सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, विपक्ष के मुद्दों पर होगी चर्चा; 20 जुलाई से शुरू होगी संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के मानसून सत्र की शुरुआत से एक दिन पहले केंद्र सरकार ने 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक बुलाने का फैसला किया है। इस बैठक में सरकार अपने विधायी एजेंडे की जानकारी सभी दलों के सामने रखेगी, जबकि विपक्षी पार्टियां सत्र के दौरान उठाए जाने वाले महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर अपनी रणनीति साझा करेंगी। संसद के प्रत्येक सत्र से पहले होने वाली यह परंपरागत सर्वदलीय बैठक 19 जुलाई को सुबह 11 बजे आयोजित की जाएगी। केंद्र सरकार के पास इस मानसून सत्र में कई महत्वपूर्ण विधेयक पेश करने की तैयारी है। ऐसे में बैठक के दौरान सरकार विपक्ष से सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चलाने के लिए सहयोग की अपील कर सकती है। इस बार संसद का मानसून सत्र राजनीतिक रूप से काफी गर्म रहने की संभावना जताई जा रही है। विपक्ष सरकार को कई मुद्दों पर घेरने की तैयारी में है, वहीं हाल के दिनों में कई राजनीतिक दलों के भीतर हुए बदलावों का असर भी सदन की रणनीति पर दिखाई दे सकता है। विपक्षी दलों में टूट और आंतरिक विवादों के कारण संसद में समीकरण बदल गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) में भी अंदरूनी हलचल देखने को मिली है।

लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का नितिन गडकरी, सीएम योगी और राजनाथ ने किया उद्घाटन

30 मिनट में पूरा होगा 63 KM का सफर

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

उन्नाव। उत्तर प्रदेश की महत्वाकांक्षी लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे परियोजना का सोमवार को औपचारिक लोकार्पण हो गया है। उन्नाव के पड़री स्थित झाऊखेड़ा रेस्ट एरिया में आयोजित कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। लोकार्पण के साथ ही यह हाईस्पीड एक्सप्रेसवे आम जनता के लिए खुल गया है।

इससे लखनऊ और कानपुर के बीच यात्रा अधिक तेज, सुरक्षित और सुविधाजनक होगी। बता दें कि अभी ढाई से तीन घंटे लखनऊ से कानपुर सफर पूरा करने में लगते हैं, लेकिन एक्सप्रेसवे के खुलने के साथ ये सफर महज 30 से 45 मिनट में पूरा होगा। लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे 63 किलोमीटर लंबा है।

उद्घाटन से पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। कहा कि जब सड़कें बेहतर होती हैं, तब दूरी घटने के साथ-साथ विकास की गति बढ़ती है, निवेश के नए द्वार खुलते हैं और जनजीवन में नई संभावनाओं का संचार होता है। इसी विचार को नई गति देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के कर कमलों द्वारा आज 4,850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से 3 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास होगा। ये परियोजनाएं उत्तर प्रदेश में आधुनिक अवसंरचना, सुगम आवागमन और तीव्र आर्थिक प्रगति के नए अध्याय की आधारशिला सिद्ध होंगी।

कार्यक्रम के अनुसार, उन्नाव में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एक्सप्रेसवे का निरीक्षण करते हुए सड़क मार्ग से लखनऊ रवाना होंगे। इसके बाद सरोजनीनगर में आयोजित मुख्य समारोह में परियोजना का औपचारिक लोकार्पण किया जाएगा। इस दौरान तीनों नेता भाजपा पदाधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगे।

पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई जनहित याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे देश भर में पेपर लीक मामलों की समय-सीमा के भीतर जांच और तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए एक मानक प्रश्नावली और विशेष जांच प्रक्रिया तैयार करें। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में भ्रष्टाचार विरोधी, मनी लॉन्ड्रिंग, बेनामी संपत्ति और काले धन कानूनों के प्रावधानों को लागू करने के अलावा, पेपर लीक के अपराधियों और अपराध में कथित रूप से शामिल उनके परिवार के सदस्यों की चल और अचल संपत्तियों की जब्ती के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है।

राम मंदिर में निकली सीईओ की नौकरी, 50 से 70 साल तक के लोग कर सकते हैं आवेदन

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र (न्यास) ने मंदिर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) के पद पर नौकरी निकाली है। यह एक कॉन्ट्रैक्ट आधारित नौकरी होगी। शुरुआत में तीन साल के लिए अनुबंध किया जाएगा। अच्छा काम रहने पर इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है। न्यास की तरफ से साफ किया गया है कि सिर्फ 50 से 70 साल की उम्र के लोग ही आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने वाले व्यक्ति को हिंदी और अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है। 18 जुलाई को शाम 4 बजे तक आवेदन किए जा सकते हैं।

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सोमवार को सीईओ पद के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पद पर चुना जाने वाला व्यक्ति अयोध्या में राम मंदिर का पहला सीईओ होगा। एक्स

पर एक पोस्ट में ट्रस्ट ने कहा कि योग्य उम्मीदवार श्री राम जन्मभूमि मंदिर के सीईओ पद के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि आवेदन 18 जुलाई शाम चार बजे तक स्वीकार किए जाएंगे। यह नियुक्ति महत्वपूर्ण है क्योंकि यह मंदिर के चढ़ावे के कथित गबन की पृष्ठभूमि में की जा रही है।

रविवार को राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा था कि पहले सीईओ की जिम्मेदारियां और शक्तियां ट्रस्ट द्वारा ही तय की जाएंगी और ट्रस्ट या सीईओ के कामकाज में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं होगा। उन्होंने कहा था कि सीईओ की प्राथमिक जिम्मेदारी ट्रस्ट में भक्तों के विश्वास को बनाए रखना होगा। सीईओ मंदिर की वित्तीय व्यवस्था की भी देखरेख करेंगे, यह सुनिश्चित करेंगे कि अयोध्या आने वाले भक्तों को आवश्यक सुविधाएं मिलें और इसके प्रति जवाबदेह रहते हुए ट्रस्ट के सहायक के रूप में कार्य करें। ट्रस्ट तय करेगा कि सीईओ को कितना अधिकार सौंपा जाए।

नृपेंद्र मिश्रा के अनुसार सीईओ कार्यालय के कामकाज के लिए आवश्यक कर्मचारियों को नियुक्त करने के लिए स्वतंत्र होंगे, हालांकि समग्र प्रशासन ट्रस्ट के नियंत्रण में रहेगा। इस महीने की शुरुआत में ट्रस्ट ने आवेदनों की जांच करने और पद के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की सिफारिश करने के लिए एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है।

बदरीनाथ धाम मंदिर में चढ़ावा हेराफेरी मामले में प्रमोद नौटियाल गिरफ्तार

बदरीनाथ धाम। बदरीनाथ धाम मंदिर में दान-चढ़ावा राशि में कथित गड़बड़ी के मामले में एक्शन शुरू हो गया है। उत्तराखंड पुलिस ने प्रमोद नौटियाल नाम के आरोपी कर्मचारी को देहरादून से गिरफ्तार किया है। पूछताछ के बीच पुलिस उसे बदरीनाथ लेकर पहुंच रही हैं। बदरीनाथ धाम में वित्तीय अनियमितता का मामला सामने आने के बाद से ही प्रमोद नौटियाल फरार चल रहा था। पुलिस ने उसे देहरादून से गिरफ्तार किया है। प्रमोद धाम से जुड़ा कर्मचारी है। अब पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। मामला काफी संवेदनशील है। इसलिए भी क्योंकि यूपी के अयोध्या स्थित राम मंदिर में चंदा-चढ़ावा चोरी पर भारी बवाल मचा है। आठ आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं और तीन सदस्य ट्रस्ट से निकल गए। एसआईटी मामले की जांच कर रही है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी : सीबीआई जांच की मांग पर ट्रस्ट को नोटिस, सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से मांगी स्टेटस रिपोर्ट

आर्यावर्त क्रांति

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर में चंदा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट में आज सोमवार को सुनवाई शुरू हुई। सुनवाई के दौरान ही कोर्ट ने SIT से जांच के मामले में अब तक की जांच की स्टेटस रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में जमा करने को कहा गया है। कोर्ट में हिंदू धर्मपरिषद् की याचिका समेत कुल 4 याचिकाओं पर सुनवाई हो रही है। धर्मपरिषद् की ओर से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चंदा चोरी की जांच की मांग की गई है।

सीजेआई सूर्यकांत की अगुवाई वाली 3 सदस्यीय बेंच सुनवाई कर रही है। सुनवाई के शुरुआत में ही एसजी ने कहा कि राज्य प्राधिकार मामले की जांच कर रही हैं, लेकिन कोर्ट ने राम मंदिर ट्रस्ट को नोटिस जारी कर दिया। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने एसआईटी से अब तक की जांच का स्टेटस रिपोर्ट तलब किया है। सॉलिसिटर जनरल (SG) तुषार मेहता ने कहा कि SIT रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल की जाएगी।

साथ ही कोर्ट ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट समेत अन्य पक्षकारों को भी नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित SIT को अगली सुनवाई तक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने आज कहा कि स्टेटस रिपर्ट में SIT की संरचना का पूरा विवरण दिया जाए।

सुप्रीम कोर्ट से रखी गईं ये मांगें

CJI सूर्यकांत की अगुवाई वाली बेंच कुल 4 याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। शेष 2 अलग-अलग याचिकाओं में पूरे मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग की गई है, जबकि तीसरी याचिका में सीबीआई की विशेष जांच टीम (एसआईटी) से जांच और सबूतों को सुरक्षित रखने और मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय लेन-देन की फॉरेंसिक ऑडिट कराने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच जरूरी है। इन याचिकाओं में वकील नरेंद्र कुमार गोस्वामी की तरफ से दायर एक रिट याचिका, अजय कुमार राय और आरजेडी सांसद सुधाकर सिंह की याचिका भी शामिल है।

SC की निगरानी में हो जांच : कांग्रेस

इस बीच कांग्रेस ने भी राम मंदिर के लिए चंदा चोरी करने की प्रक्रिया में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग की। कांग्रेस के प्रवक्ता अजय उपाध्याय ने इसे आस्था के नाम पर लूट वाला मामला करार दिया। उपाध्याय ने जयपुर में कहा, "भगवान राम के नाम पर जुटाई गई निधि भाजपा-आरएसएस के लिए राजनीतिक लूट का साधन बन गई है।

पवन खेड़ा का बड़ा आरोप : पीएम मोदी नेतन्याहू से प्रेरित, लोकतंत्र में नहीं यकीन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए आरोप लगाया कि वे विचारधारा के स्तर पर इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से प्रेरित हैं। ANI से बात करते हुए खेड़ा ने दावा किया कि प्रधानमंत्री लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते और उन्होंने भारत में पेगासस निगरानी विवाद को लेकर सवाल उठाए। खेड़ा ने पूछा कि असल बात तो यह है कि नरेंद्र मोदी नेतन्याहू से प्रेरित हैं। वह लोकतंत्र में यकीन नहीं रखते। उनके रोल मॉडल नेतन्याहू हैं। तो, जिस व्यक्ति के रोल मॉडल, हीरो या आइकन नेतन्याहू हों, क्या आप उससे किसी बेहतर चीज़ की उम्मीद कर सकते हैं? इस देश में पेगासस कौन लाया, राहुल गांधी या

नरेंद्र मोदी? पेगासस स्पाइवेयर का मामला 2021 में तब सामने आया जब आरोप लगे कि इज़राइली NSO ग्रुप के सॉफ़्टवेयर का इस्तेमाल सरकारों ने पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं की निगरानी के लिए किया था। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इन आरोपों से इनकार किया है। खेड़ा ने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं की भी आलोचना की और कहा कि इससे भारत को कोई ठोस फ़ायदा नहीं हुआ, फिर भी जनता का पैसा खर्च किया गया। उन्होंने इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को भारतीय टॉफ़ी ब्रांड 'मेलोडी' का पैकेट तोहफ़े में देने पर मोदी का मज़ाक भी उड़ाया। खेड़ा ने सवाल किया कि राहुल गांधी सरकारी खर्च पर सरकारी दौरे पर नहीं जाते। भारत के प्रधानमंत्री इसके लिए ज़िम्मेदार हैं। जब वह विदेश जाकर मेलोनी नाम की महिला को 'मेलोडी टॉफ़ी' बांटते हैं, तो क्या हमें इसका जश्न मनाना चाहिए? क्या टैक्स देने वालों के पैसे से उन्हें यही करना चाहिए? कांग्रेस नेता ने मोदी के विदेशी दौरों के नतीजों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत ने अमेरिका के साथ बहुत ही असंतुलित व्यापार समझौता किया है और दावा किया कि देश की विदेश नीति बाहरी ताकतों से प्रभावित है।

मोदी सरकार और प्रधान ने जवाबदेही से मुंह मोड़ा, अब शिक्षा में क्रांति का समय : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब 'बेईमान वसूली का तंत्र' बन गई है। उन्होंने कहा कि अब शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति लाने का समय आ गया है। राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत छात्रों से अपने दूसरे संवाद से पहले यह बात कही।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने यह भी आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने चुप्पी साध ली है। उन्होंने कहा कि दोनों ने जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट की। इसमें उन्होंने लिखा, 'भ्रष्ट, अन्यायी, पक्षपाती, बेईमानी- ये चार शब्द मेरे नहीं, ये देश के छात्र आज भारत की शिक्षा व्यवस्था के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। सच यही है कि भारत की शिक्षा व्यवस्था अब एक बेईमान वसूली तंत्र बन चुकी है।'

कांग्रेस नेता ने क्या आरोप लगाए?

उन्होंने आगे कहा, 'जो व्यवस्था बच्चों के भविष्य को तैयार करने के लिए बनी थी, वो आज उन्हें और उनके परिवार को कर्ज, तनाव और निराशा में धकेल रही है।' कांग्रेस नेता ने कहा, 'इसी भ्रष्टाचार ने पेपर लीक माफिया को जन्म दिया, जो तैयारी कर रहे लाखों छात्रों की वर्षों की मेहनत एक झटके में लूट लेता है।'

कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'यहां दोषी ठेकेदारों और अधिकारियों को ठेके और तरक्की मिलती है। लेकिन सजा किसे मिलती है? उन छात्रों को, जिन्हें टूटे सपनों के साथ अकेले छोड़ दिया जाता है।' उन्होंने कहा, मोदी सरकार और शिक्षा मंत्री यह सब देख रहे हैं। लेकिन उन्होंने चुप्पी चुनी है। जवाबदेही से मुंह मोड़ लिया है। और मीडिया में? बस एक लंबा सन्नाटा है। अब बहुत हुआ। अब शिक्षा में क्रांति का वक्त है। राहुल गांधी ने छात्रों से अपील की कि वे 17 जुलाई को देहरादून में उनसे जुड़ें और 'छात्रों की गूंज' अभियान को और मजबूत बनाएं।

उत्तर प्रदेश में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल: 182 पीसीएस अधिकारियों का ट्रांसफर, बदले गए कई जिलों के एसडीएम

आर्यावर्त क्रांति

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार फिर बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। सरकार ने राज्य के 182 पीसीएस अधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है। इस बड़े फेरबदल के तहत कई जिलों के SDM बदल दिए गए हैं और कई अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उत्तर प्रदेश सरकार काम को बेहतर ढंग से चलाने के लिए समय-समय पर अधिकारियों के ट्रांसफर करती रहती है। इससे पहले, पिछले साल 23 जून को भी सरकार ने एक साथ 127 पीसीएस अधिकारियों के तबादले किए थे। इससे पहले, गुरुवार देर शाम को योगी सरकार ने सचिव और विशेष सचिव स्तर के प्रदेश के 20 IAS आधिकारियों का तबादला कर दिया था, जिसमें पीसीएस से प्रमोट हुए अफसरों के साथ-साथ बलिया, आजमगढ़ और इटावा जैसे जिलों में भी बड़े बदलाव किए गए हैं। इस नई सूची के तहत सुधा वर्मा को सचिव राजस्व विभाग से श्रमायुक्त (UP) बनाया गया है, नेहा शर्मा को महानिदेशक (चिकित्सा शिक्षा), और अरुण कुमार को मिशन निदेशक (राज्य ग्रामीण आजीविका) की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं दीपा रंजन को विशेष सचिव संस्कृति विभाग, संदीप भागिया को प्रबंध निदेशक मध्यांचल विद्युत वितरण निगम, आलोक कुमार को मुख्य विकास अधिकारी (CDO) बलिया, और संजय कुमार सिंह को CDO इटावा नियुक्त करने समेत कई अन्य अधिकारियों को नए विभागों और पदों का अतिरिक्त प्रभार देकर प्रशासनिक व्यवस्था को और मजबूत करने का प्रयास किया गया है।

तबादला सूची में शामिल कुछ मुख्य अधिकारियों और उनकी नई तैनाती-

सुरभि शर्मा कानपुर देहात से ट्रांसफर कर बागपत की नई एसडीएम बनाई गईं।
पुष्पेंद्र पटेल को गाजीपुर से हटाकर अंबेडकर नगर भेजा गया।
शुभम यादव को उन्नाव से तबादला कर बुलंदशहर की जिम्मेदारी दी गई।
प्रतिभा मिश्रा वाराणसी से कानपुर देहात भेजी गईं।
गोपाल शर्मा मैनपुरी से बरेली के नए उपजिलाधिकारी (SDM) बने।
मिथलेश कुमार तिवारी को रायबरेली से ट्रांसफर कर मैनपुरी का एसडीएम नियुक्त किया गया।
लवलीत कौर को हाथरस से ट्रांसफर कर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण में ओएसडी बनाया गया है।
वीर सिंह (2020 बैच) को अलीगढ़ में सहायक नगर आयुक्त के पद से हटाकर रायबरेली का एसडीएम बनाया गया।
पुष्परनाथ चौधरी अमरोहा से उन्नाव भेजे गए।
अवधेश कुमार निगम देवरिया से फिरोजाबाद ट्रांसफर।
दीपिका मेहरा और सचिन राजपूत, इन दोनों अधिकारियों को क्रमशः मथुरा और आगरा से हटाकर शामली भेजा गया है।
राम जनम यादव का बरेली से हरदोई ट्रांसफर।
देवेंद्र प्रताप सिंह यूपीडा (UPEIDA) से झांसी भेजे गए।
प्रज्ञा पाण्डेय उन्नाव से बाराबंकी की नई एसडीएम बनीं।
अजेंद्र सिंह कौशांबी से उन्नाव भेजे गए।
नरेंद्र कुमार गंगवार को आजमगढ़ से आगरा ट्रांसफर किया गया।

यूएनएससी की अस्थायी सदस्यता के लिए भारत करेगा दावेदारी, जयशंकर शुरू करेंगे अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत आज संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (UNSC) में 2028-29 के कार्यकाल के लिए गैर-स्थायी सदस्यता की अपनी दावेदारी का औपचारिक अभियान शुरू करेगा। विदेश मंत्री डॉ। एस। जयशंकर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में #India4UNSC 2028-29: Peace, Planet, Progress अभियान की शुरुआत करेंगे। इस दौरान वो संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस से भी मुलाकात करेंगे। भारत ऐसे समय यह अभियान शुरू कर रहा है जब दुनिया रूस-यूक्रेन युद्ध, गाजा संघर्ष और पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव जैसी कई चुनौतियों का सामना कर रही है। नई दिल्ली का प्रयास खुद को एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति और विकासशील देशों यानी Global South की मजबूत आवाज के रूप में स्थापित करने का है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में 2027 में होने वाले चुनाव में भारत एशिया-प्रशांत समूह की एक सीट के लिए ताजिकिस्तान से मुकाबला करेगा। अगर भारत चुनाव जीतता है तो वो 2028-29 के कार्यकाल के लिए नौवीं बार सुरक्षा परिषद का गैर-स्थायी सदस्य बनेगा। भारत इससे पहले 1950-51, 1967-68, 1972-73, 1977-78, 1984-85, 1991-92, 2011-12 और 2021-22 में सुरक्षा परिषद का निर्वाचित सदस्य रह चुका है। 2010 में हुए चुनाव में भारत को 192 में से 187 वोट मिले थे, जो हाल के वर्षों में किसी भी उम्मीदवार के लिए सबसे मजबूत समर्थन में से एक था।

दांतों से काटा और शरीर पर नोचा, ग्रामीण न बचाते तो ले सकते थे किशोरी की जान, अलीगढ़ में बंधक बनाकर दरिंदगी

आर्यावर्त संवाददाता

अलीगढ़। अलीगढ़ के छर्रा कस्बे में शनिवार देर शाम बाजार में सब्जी लेने गई किशोरी (14) को दो युवकों ने रविवार दोपहर अगवा कर लिया और बंधक बनाकर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। आरोपियों ने उसे पेय पदार्थ में मिलाकर शराब भी पिलाई। विरोध करने पर उसके साथ हैवानियत की और उसके शरीर को नोचा और दांतों से काट डाला। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अचेत हालत में मिली किशोरी को उपचार के लिए जेएन मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म के इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी किशन गोपाल और संजू निवासी गांव रुखाला को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार दोनों अनुसूचित जाति के हैं और आपस में तहेरे व चचेरे भाई हैं।

किशोरी दूसरे समुदाय की है। सीओ छर्रा अवनेश कुमार ने बताया कि घटना रविवार दोपहर दो बजे के बाद हुई। कस्बे के मजदूर परिवार के चार भाई-बहनों में तीसरे नंबर की किशोरी घर से सब्जी लेने बाजार गई थी। बाजार में मिले कस्बे से सटे गांव रुखाला निवासी दोनों युवकों ने किशोरी को फुसलाया और उसे अपने साथ गांव ले गए। किशन गोपाल के मकान में ऊपरी मंजिल पर दोनों ने शराब पी और किशोरी को भी पेय पदार्थ में मिलाकर शराब पिला दी। इसके बाद दोनों ने दुष्कर्म किया।

हैवानियत की हद...ग्रामीण न बचाते तो ले सकते थे किशोरी की जान

छर्रा में किशोरी संग सामूहिक दुष्कर्म के दौरान आरोपियों पर हैवानियत इस कदर हावी थी कि वे नशे में उसकी जान लेने को आतुर थे। शोर सुनकर दीवार फांदकर जब कुछ युवा घर में घुसे तो आरोपी उस समय भी किशोरी को पीट रहे थे। अगर ये युवक साहस न दिखाते आरोपी उसकी जान ले सकते थे। पुलिस ने कस्बे में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की है। ग्रामीणों ने पुलिस को बताया कि आरोपियों पर नशे में गुस्सा व हैवानियत इस कदर हावी हो गई कि वे उसकी जान लेने को आतुर हो गए, जब कुछ युवक छत पर पहुंचे तो किशोरी अर्धबेहोशी की अवस्था में मिली थी और वे दोनों उस पर हमलावर थे। उन्होंने दोनों को रोका। इस घटना के बाद पुलिस ने रविवार को कस्बे के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे हैं। अब तक की जांच व लोगों से पूछताछ में उजागर हुआ है कि किशोरी दो बजे के बाद घर से पैंठ में सब्जी व कुछ अन्य घरेलू सामान लेने आई थी। इसके बाद ही उसे आरोपी मिले। छह बजे के बाद आरोपी किशोरी को कस्बे से साढ़े चार किलोमीटर दूर अपने गांव रुखाला ले गए। अभी इस बात की स्पष्ट तस्दीक नहीं कि वे उसे बाइक से लेकर गए या टिर्री से। कोई बाइक से ले जाने तो कोई टिर्री से ले जाने की बात कह रहा है। छह बजे के बाद वह उसे लेकर गांव पहुंचे और शराब पीकर दुष्कर्म को अंजाम दिया और नौ बजे इस घटना का शोर मच गया है। पड़ोसी ने बताया है कि वह जब आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे तो मौके पर गद्दे के साथ शराब के खाली पाउच पड़े हुए थे। इसके साथ ही पानी बोतल के साथ लोटा भी रखा था। पहले दोनों युवकों ने किशोरी को जबरन शराब पिलाई और उसके बाद ऊपर छत पर ले जाकर दुष्कर्म किया।

किशोरी के माता-पिता करते हैं मजदूरी

किशोरी के परिवार की हालत बेहद कमजोर है। दोनों मजदूरी करते हैं। पिता से कहीं ज्यादा आय मां की मजदूरी से होती है। दो भाई व दो बहनों में किशोरी तीसरे नंबर की है। चर्चा किशोरी के मानसिक तौर पर कमजोर होने की भी आ रही है। इंस्पेक्टर छर्रा अंकित के अनुसार यह चर्चा जरूर कस्बे में है। मगर इसकी पुष्टि नहीं है।

जिले में पहले भी हुई हैं दुष्कर्म के बाद हत्या

इस घटना में किशोरी की जान ग्रामीणों की सजगता से बच गई। मगर अपने जिले में दुष्कर्म के बाद किशोरी की हत्या के अपराध पहले भी दर्ज किए गए हैं। जिनमें सबसे चर्चित हरदुआगंज में 12वीं की छात्रा की कोचिंग जाते समय दुष्कर्म के बाद हत्या, अकराबाद में खेत पर गई किशोरी की दुष्कर्म के बाद हत्या व गांधीपार्क में दुष्कर्म के बाद हत्या की घटनाएं पिछले एक दशक में सबसे चर्चित रही हैं।

नहीं हो सके बयान, आज फिर जाएगी पुलिस टीम

पूरे घटनाक्रम पर किशोरी से बातचीत करने के लिए छर्रा पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची, लेकिन उसकी हालत गंभीर होने के कारण उसके बयान नहीं हो सके। चिकित्सकों ने अभी उससे बातचीत की अनुमति नहीं दी। इसके चलते पुलिस लौट गई। अब सोमवार को फिर से पुलिस टीम मेडिकल कॉलेज जाएगी।

घटना में विपक्षी दलों की एंट्री, बुलडोजर कार्रवाई की उठी मांग

छर्रा की किशोरी संग सामूहिक दुष्कर्म में विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं की एंट्री हो गई है। पीड़ित के गैर समुदाय के होने के कारण सरकार से बुलडोजर कार्रवाई की मांग की जा रही है। यह तंज कसा जा रहा है कि अब बुलडोजर कहां गया। कांग्रेस नेता विवेक बंसल, बसपा नेता सलमान शाहिद, सपा महानगर अध्यक्ष अब्दुल हमीद घोषी, सपा जिला महासचिव मनोज यादव समर्थकों साथ मेडिकल कॉलेज पहुंचे और पीड़िता के परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान समाजवादी छात्र सभा के महानगर अध्यक्ष मोहसिन मेवाती, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव एडवोकेट इमरान पठान कांग्रेस नेता सागर सिंह तोमर, पूर्व महानगर अध्यक्ष कांग्रेस सलाउद्दीन वसी आदि थे।

-मेडिकल कॉलेज पहुंचकर पीड़ित परिवार से जानकारी की है। चिकित्सकों से सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। घटना निंदनीय है और प्रदेश सरकार के महिला सुरक्षा संबंधी दावों की हकीकत को उजागर करती है।

-विवेक बंसल, पूर्व विधायक, राष्ट्रीय सचिव कांग्रेस

- गुंडे बदमाशों के हौसले बढ़े हुए हैं। पुलिस अधिकारियों से सख्त कार्रवाई की मांग की। यदि उत्तर प्रदेश शासन जीरो टॉलरेंस की बात को चरितार्थ करता है, तो बलात्कार करने वाले दोनों आरोपियों का तत्काल एनकाउंटर होना चाहिए।

-सलमान शाहिद, बसपा नेता

सरकार और पुलिस प्रशासन की कार्रवाई को भेदभावपूर्ण है। आरोपियों के न तो एनकाउंटर हुए और न ही बुलडोजर की कार्रवाई हुई। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। पीड़िता को न्याय न मिला तो समाजवादी पार्टी आंदोलन करेगी।

-अब्दुल हमीद घोषी, सपा महानगर अध्यक्ष

घटना से आरोपियों के परिजन भी क्षुब्ध, पिता बोला- दोनों को फांसी दे दो

किशोरी संग दुष्कर्म की घटना के दोनों आरोपी 30-35 आयु वर्ग के चचेरे व तहेरे भाई हैं। जिस घर में घटना हुई। उस घर में रहने वाले आरोपी किशन गोपाल के पिता राजपाल ने कहा कि मेरा बेटे से कोई वास्ता नहीं है। उसे व उसके भतीजे को फांसी दे दी जाए। स्थानीय लोगों ने बताया है कि किशन गोपाल मुंबई में मजदूरी करता था व दूसरा आरोपी संजू गांव में रहकर मजदूरी करता है।

कुछ दिन पूर्व ही गांव में आकर रह रहे हैं। दोनों की शादी हो चुकी हैं, लेकिन दोनों की पत्नियां इनके नशे की आदत और गलत हरकतों के कारण बच्चों के साथ दिल्ली में रहकर नौकरी करती हैं। राजपाल सिंह ने कहा कि घटना के समय वे घर के बाहर सो रहे थे। दोनों कब लड़की को घर के अंदर ले गए उन्हें जानकारी नहीं है। जानकारी होती तो इस प्रकार की घटना होने ही नहीं देते।

मुंबई में रहता था परिवार, चार माह पूर्व गांव आए

राजपाल सिंह ने बताया कि तीन बेटों में एक बेटे की मृत्यु हो गई थी। अपने दूसरे बेटे के साथ मुंबई में रहकर मजदूरी करता था। पिछले चार माह पूर्व गांव आया था तभी से तबीयत खराब होने के चलते गांव में ही रह रहा था। संजू मेरे भाई विजयपाल सिंह का पुत्र है। जो कि गांव में ही रहता है।

आरोपी के पिता ने कहा- दोनों को दे दो फांसी

किशोरी संग दुष्कर्म की घटना के दोनों आरोपी 30-35 आयु वर्ग के विवाहित चचेरे व तयेरे भाई हैं। जिस घर में घटना हुई। उस घर में रहने वाले आरोपी किशन गोपाल के पिता राजपाल ने कहा कि मेरा बेटे से कोई वास्ता नहीं है। उसे फांसी व उसके भतीजे को फांसी दे दी जाए। स्थानीय लोगों ने बताया है कि किशन गोपाल मुंबई में मजदूरी करता था व दूसरा आरोपी संजू गांव में रहकर मजदूरी करता है। कुछ दिन पूर्व ही गांव में आकर रह रहे हैं। दोनों की शादी हो चुकी हैं, लेकिन दोनों की पत्नियां इनके नशे का आदि होने के कारण इनसे अलग रहती हैं। दोनों बच्चों के साथ दिल्ली में रहकर नौकरी करती हैं। दुष्कर्म के बाद आरोपी के पिता राजपाल सिंह ने कहा कि घटना के समय वे घर के बाहर सो रहे थे। दोनों कब लड़की को घर के अंदर ले गए उन्हें जानकारी नहीं है। जानकारी होती तो इस प्रकार की घटना होने ही नहीं देता। दोनों को फांसी की सजा होनी चाहिए।

गुस्सा देख पुलिस ने भीड़ से बचाए आरोपी

घटना के बाद किशोरी को आरोपी के घर से मुक्त कराया गया तो किसी ने उसे पहचाना नहीं था। किशोरी ने पुलिस के सामने खुद अपनी पहचान बताई, इसके बाद पुलिस ने उसके परिजनों की सूचना दी। घटना से आरोपियों के गांव और पीड़िता के मोहल्ले में आक्रोश फैल गया। पुलिस ने किसी तरह से आक्रोशित भीड़ को नियंत्रित किया और वहां से निकालकर थाने भेजा। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में कुछ लोग पुलिस की मौजूदगी में भी आरोपियों के साथ मारपीट करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे हैं।

चीख इंसान ने सुनी दर्द बेजुबान ने समझा, बस्ती में घूमने वाले कुत्ते ने निभाया साथ, दरिंदगी कर बेटी को मारा

आर्यावर्त संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद में निर्माणाधीन मॉल में मासूम के साथ हुई दरिंदगी की चीखें सिर्फ दीवारों ने ही नहीं सुनीं। वहां मौजूद एक सुरक्षाकर्मी भी उसको चीत्कार का गवाह बना, लेकिन उसने सब कुछ सामान्य समझकर हालात को नजरअंदाज कर दिया। वह सिर गड़ाए अपने मोबाइल फोन में व्यस्त रहा। दूसरी ओर एक ऐसा जीव था जो बोल नहीं सकता था, लेकिन पीड़ित परिवार का दर्द समझ गया। वह बस्ती में घूमने वाला बेसहारा कुत्ता था, जिसे पीड़ित परिवार ने कभी-कभार रोटी खिलाई थी। परिवार के सबसे मुश्किल वक्त में वह हर पल उनके साथ रहा और जब मासूम की खोजबीन करके सब थक गए तो उसके शय तक पहुंचाया।

नंदग्राम क्षेत्र में शुक्रवार रात सामूहिक दरिंगदी की शिकार हुई बच्ची के पिता बताते हैं कि आरोपी उनकी बेटी को सुरक्षाकर्मी के सामने से निर्माणाधीन मॉल के भीतर ले गए थे। पूछताछ में सुरक्षाकर्मी ने खुद माना कि उसने बच्ची को चीख-पुकार भी सुनी थी, लेकिन उसे कोई असामान्य बात नहीं लगी। उसने न तो मौके पर जाकर देखा और न ही बाद में बच्ची की तलाश में जुटे परिवार की मदद की।

मासूम की खोजबीन के दौरान परिवार के लिए हर बीतता पल उम्मीद और बेचैनी के बीच झूल रहा था। रात गहराती जा रही थी और बेटी का कहीं पता नहीं था। उस दौरान एक बेसहारा कुत्ता लगातार उनके साथ बना रहा। वह कभी आगे चलता, कभी लौटकर परिवार के आसपास मंडराता। उस वक्त किसी को अंदाजा नहीं था कि वह उन्हें किसी सच तक पहुंचाने की कोशिश कर रहा है। पीड़ित पिता बताते हैं कि रात करीब 11 बजे जब वह लगभग हार मान चुके थे, तभी कुत्ता जोर-जोर से भौंकते हुए बेसमेंट की ओर दौड़ा। परिवार उसके पीछे गया तो वहीं बच्ची का शव पड़ा मिला। इसके बाद भी वह काफी देर तक शव के पास बैठा रहा, जैसे किसी अपने की रखवाली कर रहा हो। उस मंजर को जिसने भी देखा, उसकी आंखें नम हो गई। इस घटना में कुत्ते की भूमिका को देख बच्ची के परिवार के मुंह से यही निकला कि एक इंसान अपनी जिम्मेदारी भूल गया और बेजुबान ने इंसानियत की सबसे बड़ी मिसाल पेश कर दी। परिवार का कहना है कि वे उसे कभी-कभार रोटी खिला दिया करते थे। शायद वह उसी अपनेपन का कर्ज चुका रहा था।

सुरक्षा पुख्ता होती तो जिंदा होती बेटी

पूरा घटनाक्रम पता चलने के बाद झुग्गियों में रहने वाले लोगों का गुस्सा भी फूट पड़ा। रविवार तड़के लोगों ने आक्रोश में सुरक्षाकर्मी की पिटाई भी कर दी। उनका कहना था कि यदि सुरक्षाकर्मी चीख सुनते ही सक्रिय हो जाता या बच्ची को ले जाते लोगों से पूछताछ कर लेता तो शायद परिवार उजड़ने से बच जाता। पीड़ित परिवार भी बार-बार यही दोहरा रहा है कि चीखों को किसी ने गंभीरता से सुन लिया होता तो आज उनकी बेटी जिंदा होती।

75 साल के बुजुर्ग के सहारे हो रही सुरक्षा

इस दर्दनाक घटना ने निर्माणाधीन मॉल की सुरक्षा व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। करोड़ों रुपये की परियोजना की सुरक्षा 75 वर्षीय बुजुर्ग सुरक्षाकर्मी के भरोसे चल रही है। परिसर में सीमित स्थानों पर ही सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और दोनों ओर के गेट से कोई भी बिना रोक-टोक प्रवेश कर सकता है। घटना वाली रात निर्माण कार्य बंद था, फिर भी सुरक्षाकर्मी ने आरोपियों को भीतर जाने से रोकने की जरूरत नहीं समझी।

कानपुर में भीषण हादसा

नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रक से टकराई स्कॉर्पियो, तीन की मौत, 9 लोग घायल

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। महाराजपुर थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह कानपुर-प्रयागराज नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हो गया। रूमा स्थित न्यू जेके ढाबा के पास हाईवे पर खड़े ट्रक से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि गाड़ी के परखच्चे उड़ गए और चीख-पुकार मच गई। हादसा सुबह करीब साढ़े पांच बजे हुआ।

वाहन संख्या एचआर 14एम 9501 स्कॉर्पियो सिरसा, हरियाणा से बिहार जा रही थी। इसमें 12 लोग सवार थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो किसी अज्ञात वाहन को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। हादसे में स्कॉर्पियो सवार एक 45 वर्षीय पुरुष, 13 वर्ष की एक लड़की और लगभग नौ वर्ष के एक लड़के की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची महाराजपुर पुलिस और एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहन को हटाकर यातायात सुचारू कराया।

गंभीर रूप से घायल 9 लोगों को एंबुलेंस से कांशीराम अस्पताल भेजा गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को हैलेट अस्पताल रेफर कर दिया गया। घायलों में दो महिलाएं, चार पुरुष और तीन बच्चियां शामिल हैं। इनमें हिमांशु, नील यादव, केशव भारती समेत 3 बच्चियां अनिशा, स्नेहा और एक 7 वर्षीय बच्ची भी भर्ती है। दो महिलाओं और एक पुरुष की हालत नाजुक बनी हुई है। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

कस्तूरबा विद्यालय में छात्राओं को मिला महिला सुरक्षा और अधिकारों का पाठ

रामपुर। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी इरा आर्या के नेतृत्व में हब फॉर एम्पावरमेंट ऑफ वूमेन की टीम द्वारा कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में महिला सुरक्षा एवं लैंगिक संवेदनशीलता विषयक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन जेंडर स्पेशलिस्ट श्रीमती अंजू शर्मा द्वारा किया गया।कार्यक्रम में छात्राओं को लैंगिक समानता,महिला सुरक्षा तथा उनके अधिकारों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर छात्राओं को गुड टच–बैड टच,बालिकाओं के साथ होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम,महिला हेल्पलाइन,वन स्टॉप सेंटर,बाल सेवा योजना तथा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।साथ ही उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने तथा किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल संबंधित हेल्पलाइन एवं विभागीय सेवाओं का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया।

ब्रिटेन की महिला दोस्त ने रोते हुए मांगी मदद, एयरपोर्ट पर फंसने की कहानी, युवक संग हो गया बड़ा कांड

आर्यावर्त संवाददाता

आगरा। ऑनलाइन क्लास में हुई दोस्ती का फायदा उठाकर साइबर ठगों ने दयालबाग निवासी व्यक्ति को 15 लाख रुपये की चपत लगा दी। खुद को ब्रिटेन की महिला बताकर दोस्ती की। इसके बाद भारत भ्रमण पर आने की कहकर दिल्ली एयरपोर्ट पर फंसने का नाटक किया। इसके बाद महिला के साथी ठगों ने भारत लाई गई करोड़ों रुपये की धनराशि छुड़ाने के नाम पर अलग-अलग बैंक खातों में रकम जमा करा ली। साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

नई मऊ, दयालबाग निवासी हरजीत सिंह सोलंकी ने बताया कि वह एक ऑनलाइन स्वर विज्ञान क्लास से जुड़े थे। उसी ग्रुप में जूनी नाम की महिला नाम से एक नंबर जुड़ा था। उसने खुद को ब्रिटेन निवासी बताते हुए दोस्ती की। भारत आने पर घूमने के लिए मदद मांगी और व्हाट्सएप पर हवाई टिकट भी भेजा। इसके बाद एक नंबर से कॉल आई।

कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को दीपक शर्मा बताया और दिल्ली एयरपोर्ट में कस्टम इंस्पेक्टर बताते हुए कहा कि महिला 3.84 करोड़ रुपये के यात्री चेक लेकर भारत आई है, जिसे कस्टम ने रोक लिया है। चेक जारी कराने के लिए 4.42 लाख रुपये की फीस जमा करानी होगी। महिला ने भी उनसे रोते हुए मदद मांगी। आरोपियों ने संजय सैनी, रियाजुल हसन और रंजीत नाथ के बैंक खातों में अलग-अलग किस्तों में रकम जमा कराई। 12 से 14 मई के बीच उनसे कुल 15 लाख रुपये ठग लिए गए। महिला इस दौरान विदेशी और भारतीय मोबाइल नंबरों से व्हाट्सएप पर संपर्क करती रही। पीड़ित ने चैटिंग के स्क्रीन शॉट, बैंक लेनदेन और अन्य साक्ष्य पुलिस को उपलब्ध कराए। डीसीपी साइबर क्राइम आदित्य कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर साइबर क्राइम थाने में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

अयोध्या के एक और मंदिर में करोड़ों रुपये का गबन, चंपत राय पर आरोप... एसआईटी जांच की मांग

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

अयोध्या। श्री राम जन्मभूमि ट्रस्ट के चढ़ावे में चोरी के मामले की जांच अभी चल रही है कि जमीन घोटाले के एक और आरोप से चंपत राय फिर से विवादों में घिरते दिखाई दे रहे हैं। अयोध्या के ही रहने वाले हरिशंकर सफरीवाला ने चंपत राय पर मंदिर हथियाने और जबरन कब्जे के सीधे आरोप लगाये हैं। शिकायतकर्ता हरिशंकर सफरीवाला ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा गठित एसआईटी को शिकायत देकर श्री रामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में करोड़ों रुपये के गबन, दान की धनराशि के दुरुपयोग, मंदिर की संपत्तियों पर अवैध कब्जा, फर्जी दस्तावेज तैयार कर संपत्ति खरीदने-बेचने और आर्थिक अनियमितताओं का आरोप लगाया है।

शिकायत में कहा गया है कि इन सभी मामलों में चंपतराय और उनके सहयोगियों की भूमिका की निष्पक्ष जांच कराई जाए। हरिशंकर सफरीवाला का आरोप है कि वो श्री राम निवास मंदिर, बरहटा, रामकोट (अयोध्या) की पंच समिति के प्रमुख है। उसकी नियुक्ति तत्कालीन महंत रामगोपाल दास ने 30 दिसंबर 1987 को की थी। बाद में 2 फरवरी 2018 को मंदिर का प्रबंधन विधिवत रजिस्टर्ड कराया गया, जिसके अनुसार वह मंदिर का मुख्य कार्यपालक एवं प्रशासनिक प्रमुख है।

महंत की नियुक्ति

शिकायत के अनुसार 11 अगस्त 2021 को प्रार्थी ने अपनी शक्तियों का प्रयोग करते हुए वीरेंद्र दास उर्फ वीरू को मंदिर का महंत नियुक्त किया। नियुक्ति पत्र में स्पष्ट शर्त रखी गई कि समिति की अनुमति के बिना मंदिर की किसी भी संपत्ति का विक्रय नहीं किया जा सकेगा।

संपत्ति बेचने का आरोप

शिकायतकर्ता हरि शंकर सफरीवाला ने आरोप लगाया गया है कि चंपतराय को ये जानकारी होने के बावजूद कि मंदिर और उसकी भूमि देवोत्तर संपत्ति है, जिसका क्रय-विक्रय नहीं किया जा सकता, उन्होंने अन्य लोगों के साथ मिलकर लगभग 5 करोड़ 80 लाख रुपये में सौदा तय किया। पंजीकृत बयान नामा, जिसमे चंपत राय की फोटो लगी है उसमें भी जमीन को देवोत्तर संपत्ति बताया गया है। आरोप है कि इस सौदे के लिए 70 लाख रुपये बतौर पेशगी दिए गए और 22 दिसंबर 2022 को बयानामा बिना कब्जा नाम का डॉक्यूमेंट रजिस्टर्ड कराया गया। शिकायतकर्ता हरि शंकर का आरोप है कि ये रकम मंदिर के खाते में जमा नहीं हुई बल्कि कथित रूप से उसका गबन कर लिया गया।

मंदिर पर कब्जे का आरोप

शिकायत में कहा गया है कि मंदिर परिसर में प्रार्थी और अन्य पंचों का प्रवेश रोक दिया गया तथा मंदिर कार्यालय पर कब्जा कर लिया गया। आरोप है कि मंदिर की आलमारी, फर्नीचर और अन्य सामान के अलावा भगवान की मूर्ति, उनके जेवर, सोने की परत चढ़ा पलंग और सोने चांदी के बर्तन को भी कब्जे में ले लिया गया।

आभूषण गायब होने का आरोप

शिकायतकर्ता ने दावा किया है कि मंदिर के देवी-देवताओं के आभूषणों का कोई स्पष्ट हिसाब नहीं है। आरोप है कि इस संबंध में 2 अगस्त 2024 को पंजीकृत नोटिस भेजी गई, लेकिन उसका कोई जवाब नहीं मिला। शिकायत में यह भी आरोप लगाया है कि अलग-अलग प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस अधिकारियों और ट्रस्ट पदाधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

किरायेदारों से वसूली का आरोप

हरि शंकर का आरोप है कि मंदिर की दुकानों और भवनों को खाली कराने के नाम पर चेक या ड्राफ्ट के अतिरिक्त नकद धनराशि भी ली गई, जिसका कोई लेखा-जोखा उपलब्ध नहीं है।

एसआईटी से शिकायत में की गई प्रमुख मांगें

1। राम निवास मंदिर का कब्जा उसकी मूल प्रबंधन समिति को वापस दिलाया जाए। 2। मंदिर के सभी देवी-देवताओं की मूर्तियां और उनके आभूषण सुरक्षित वापस दिलाए जाएं तथा उनकी जांच कराई जाए। 3। मंदिर परिसर खाली कराकर पंचायत समिति को उसका कार्यालय, फर्नीचर और अन्य सामान लौटाया जाए। 4। कथित फर्जी बयानामा बिना कब्जा के आधार पर दिए गए 70 लाख रुपये ट्रस्ट में वापस जमा कराए जाएं। 5। पूरे मामले की जांच कर ये पता लगाया जाए कि ट्रस्ट के कितने लोग इस कथित अनियमितता में शामिल थे, कितनी धनराशि का गबन हुआ और मंदिर की कौन-कौन सी संपत्तियां हटाई या बेची गईं। 6। यदि एसआईटी उचित समझे तो मंदिर प्रबंधन समिति को हुए नुकसान की भरपाई के लिए कम से कम 5 करोड़ रुपये का मुआवजा दिलाया जाए।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने जनसुनवाई में सुनी फरियादियों की शिकायतें

बिजनौर। जनसामान्य की समस्याओं का समयबद्ध एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने सोमवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई आयोजित कर दूर-दराज से पहुंचे फरियादियों की शिकायतें गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनीं। जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी, महिला उत्पीड़न, साइबर अपराध सहित विभिन्न प्रकार के मामलों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनका पुलिस अधीक्षक ने स्वयं परीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायतकर्ता से पूरे धैर्य के साथ उनकी समस्या सुनी और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण जांच करते हुए समयबद्ध ढंग से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी शिकायत को हल्के में न लिया जाए तथा पीड़ित को न्याय दिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

4200 करोड़ की सौगात जनता को समर्पित, बाइक-ऑटो की एंट्री पर लगा बैन

UP को मिली नई रफ्तार! लखनऊ कानपुर एक्सप्रेसवे जनता को समर्पित, रक्षा मंत्री, परिवहन मंत्री और सीएम ने किया लोकार्पण

उन्नाव। सोमवार को दोपहर 3.40 बजे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उपमुख्यमंत्री ने पड़री खुर्द ग्राम पंचायत के मजरे झाऊ खेड़ा स्थित कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे। तीनों ने फीता काटकर लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया। फीता काटने के साथ ही जनपद के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसके बाद सभी लोग वाया एक्सप्रेसवे सड़क से अपने वाहनों व फ्लीट के साथ वापस लखनऊ लौट गए। एआई जैसी उत्कृष्ट निर्माण तकनीकी से चर्चा में चल रहे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे पर फर्राटा भरने के लिए व्याकुल आम जनमानस को समर्पित कर दिया गया है। सोमवार को दोपहर 3.40 बजे रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संयुक्त रूप से एक्सप्रेसवे पर फीता काटा। लोकार्पण होते ही 14 जुलाई की सुबह से यह आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उन्नाव में पड़री खुर्द ग्राम पंचायत के मजरे झाऊ खेड़ा में एनएचएआइ की संरक्षित पांच बीघा जमीन पर यह कार्यक्रम हुआ। यहां तीन हेलीपैड बनाए गए थे। यहां पर मंत्रियों द्वारा फीता काटने की कार्रवाई के साथ जनपद के जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की। इसके बाद सभी लोग वाया एक्सप्रेसवे सड़क अपने वाहनों व फ्लीट के साथ वापस लखनऊ लौट गए। जहां लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित सैनिक स्कूल के पास एक्सप्रेसवे का विधिवत लोकार्पण किया जाएगा। इसके बाद यहां तय जनसभा कार्यक्रम में मंत्री, मुख्यमंत्री व राज्यपाल जनता को भी संबोधित करेंगे।

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ और कानपुर के बीच रोजाना सफर करने वाले लाखों मुसाफिरों के लिए मंगलवार 14 जुलाई से सफर का एक नया और स्वर्णिम अध्याय शुरू होने जा रहा है। सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की गरिमामयी मौजूदगी में जिस 63 किलोमीटर लंबे लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेसवे का लोकार्पण किया था, वह कल से आम जनता के लिए पूरी तरह खोल दिया जाएगा। करीब 4,200 करोड़ रुपये की भारी-भरकम लागत से तैयार यह छह-लेन एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश की सबसे आधुनिक और हाई-स्पीड सड़क परियोजनाओं में से एक है।

इस बहुप्रतीक्षित एक्सप्रेसवे का औपचारिक उद्घाटन सोमवार को उन्नाव के झाऊखेड़ा गांव में आयोजित एक विशाल समारोह के दौरान किया गया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। लोकार्पण की रस्म से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी और सीएम योगी आदित्यनाथ ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा लगाई गई एक विशेष तकनीकी प्रदर्शनी का बारीकी से अवलोकन किया। एनएचएआई के वरिष्ठ अधिकारियों ने सभी अतिथियों को इस एक्सप्रेसवे के निर्माण में इस्तेमाल की गई 3D इंफ्रास्ट्रक्चर तकनीक, अंतरराष्ट्रीय स्तर के सुरक्षा मानकों और भविष्य के विस्तार की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

कल से लागू होगा टोल टैक्स, सुरक्षा के लिए सख्त नियम लागू

14 जुलाई यानी मंगलवार की सुबह से इस एक्सप्रेसवे पर वाहनों का संचालन विधिवत शुरू होने के साथ ही टोल वसूली की प्रक्रिया भी प्रभावी हो जाएगी। चूंकि यह एक पूरी तरह से हाई-स्पीड और कंट्रोल्ड-एक्सेस कॉरिडोर है, इसलिए एनएचएआई ने यात्रियों की सुरक्षा और रफ्तार को बनाए रखने के लिए बेहद कड़े नियम लागू किए हैं।

इस एक्सप्रेसवे पर केवल कार, जीप, बस, ट्रक और अन्य भारी वाणिज्यिक मोटर वाहनों को ही चलने की इजाजत होगी। एक्सप्रेसवे पर हादसों को रोकने और रफ्तार में बाधा न बनने के लिए दोपहिया (बाइक/स्कूटर), तिपहिया (ऑटो/विक्रम), साइकिल, ट्रैक्टर, ई-रिक्शा, पशु चालित वाहनों और अन्य सभी धीमी गति से चलने वाले वाहनों के प्रवेश पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया गया है।

डेढ़ घंटे की दूरी सिर्फ 35 से 45 मिनट में होगी पूरी

इस एक्सप्रेसवे के शुरू होने का सबसे बड़ा फायदा समय और ईंधन की बचत के रूप में मिलेगा। वर्तमान में लखनऊ से कानपुर के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर चलने वाले वाहनों को भारी ट्रैफिक जाम, चौराहों और स्थानीय भीड़भाड़ के कारण 1.5 से 2 घंटे तक का लंबा समय लग जाता है।

उन्नाव बनेगा मुख्य हब, इंटरचेंज से आसान होगी राह

भौगोलिक दृष्टि से इस परियोजना का सबसे बड़ा और सीधा लाभ उन्नाव जिले को मिलने जा रहा है। इस एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए कानपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे के साथ-साथ उन्नाव-लालगंज मार्ग से भी जोड़ा गया है। एक्सप्रेसवे के रूट पर बनी, गंगाघाट, करेर पतारी, कोरारी और अमरसस के पास विश्वस्तरीय इंटरचेंज बनाए गए हैं। इन इंटरचेंज के माध्यम से उन्नाव, रायबरेली, कानपुर और लखनऊ के बीच गाड़ियों का आना-जाना पहले की तुलना में बेहद सुगम और सीधा हो जाएगा।

औद्योगिक क्रांति को मिलेगी रफ्तार, व्यापार में होगा बड़ा मुनाफा

व्यावसायिक और औद्योगिक दृष्टिकोण से यह एक्सप्रेसवे दोनों महानगरों के लिए लाइफलाइन साबित होगा। कानपुर के चमड़ा, कपड़ा और भारी औद्योगिक क्षेत्र को लखनऊ के प्रशासनिक एवं आईटी हब के साथ सुपरफास्ट कनेक्टिविटी मिलने से माल ढुलाई की लागत में भारी गिरावट आएगी। उद्योगों को कच्चा माल लाने और तैयार माल भेजने के लिए एक बेहतरीन कॉरिडोर मिल गया है, जिससे क्षेत्र में नए डोमेस्टिक और फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट की राह खुलेगी। इसके अलावा, शिक्षा, चिकित्सा और नौकरियों के सिलसिले में रोजाना अप-डाउन करने वाले हजारों मध्यमवर्गीय परिवारों का हर महीने हजारों रुपये का ईंधन बचेगा।

एक्सप्रेसवे की 5 बड़ी खूबियां

लंबाई व लागतः 63 किलोमीटर लंबा यह आधुनिक छह-लेन एक्सप्रेसवे करीब ₹4200 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है।

समय की बचतः लखनऊ और कानपुर के बीच का यात्रा समय घटकर मात्र 35 से 45 मिनट रह जाएगा।

शानदार कनेक्टिविटीः उन्नाव, रायबरेली, कानपुर और लखनऊ के बीच इंटरचेंज के जरिए आसान आवागमन।

लॉजिस्टिक्स को बढ़ावाः उद्योगों और माल ढुलाई की लागत कम होगी, जिससे व्यापार चमकेगा।

नो-एंट्री जोनः सुरक्षा के मद्देनजर बाइक, ऑटो, ट्रैक्टर, साइकिल और ई-रिक्शा के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध।

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ अधिकारियों और क्षेत्रीय जनता की मौजूदगी की संभावना को देखते हुए सभी जरूरी तैयारियां समय से पहले ही चाक-चौबंद कर ली गई हैं। आज का दिन उन्नाव और पूरे विकास प्राधिकरण क्षेत्र के लिए एक नए युग की शुरुआत जैसा है।

उत्तर प्रदेश में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क विकसित करना हमारी प्राथमिकता : नितिन गडकरी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के साथ अपने सरकारी आवास पांच कालिदास मार्ग पर उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों एवं सड़क अवसंरचना से जुड़ी प्रमुख परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा की। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय तथा उत्तर प्रदेश सरकार के प्रस्तावों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।समाचार

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन बनकर उभरा है। इसलिए राज्य में विश्वस्तरीय सड़क संपर्क विकसित करना केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण, वन स्वीकृति, उपयोगिताओं के स्थानांतरण तथा अन्य विभागीय औपचारिकताओं का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करते हुए सभी परियोजनाओं को गति देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आधुनिक सड़क अवसंरचना विकसित उत्तर प्रदेश की आधारशिला है और इसके माध्यम से निवेश, उद्योग, कृषि, पर्यटन, व्यापार तथा रोजगार को नई गति मिलेगी।

बैठक में चेयरमैन, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने बताया कि वर्ष 2014 के बाद उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग विकास को अभूतपूर्व गति मिली है। इस अवधि में लगभग 10 हजार 204 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का आवंटन किया गया, जबकि लगभग नौ हजार 329 किलोमीटर सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है। अप्रैल 2025 से मई 2026 के बीच 606 किलोमीटर नई परियोजनाएं स्वीकृत हुईं तथा 1,010 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण पूरा किया गया। प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं पर लगभग 1.94 लाख करोड़ रुपये व्यय किए गए, जिनमें वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान लगभग 23 हजार 445 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। यह भी बताया गया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता में गठित टास्क फोर्स, ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के लिए रॉयल्टी मुक्त मिट्टी की व्यवस्था, रिंग रोड एवं बाईपास परियोजनाओं में भूमि अधिग्रहण लागत में राज्य सरकार की भागीदारी तथा सरकारी भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराने जैसे निर्णयों से परियोजनाओं के क्रियान्वयन में उल्लेखनीय तेजी आई है। केंद्रीय मंत्री ने इन पहलों की सराहना करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रभावी समन्वय का सकारात्मक परिणाम परियोजनाओं की प्रगति में स्पष्ट दिखाई दे रहा है।

बैठक में प्रदेश की प्रमुख निर्माणाधीन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए बताया गया कि लगभग 13 हजार 980 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही मथुरा-बरेली-सितारगंज चार लेन परियोजना, लगभग 5,904 करोड़ रुपये की आगरा-अलीगढ़ चार लेन परियोजना, आगरा-ग्वालियर-झांसी-नागपुर आर्थिक गलियारा, कानपुर रिंग रोड, नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, जेवर को जोड़ने वाली छह लेन संपर्क परियोजना तथा मुरादाबाद-काशीपुर चार एवं छह लेन परियोजना निर्धारित समयसीमा के अनुसार आगे बढ़ रही हैं। इनके पूरा होने से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड तथा औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्रों के बीच संपर्क और अधिक सुदृढ़ होगा। समीक्षा के दौरान बरेली बाईपास में वृक्षों की कटान के विषय पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वृक्षों को काटने के बजाय आधुनिक तकनीक के माध्यम से उनका प्रत्यारोपण किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाए रखना समय की आवश्यकता है।

बैठक में पूर्वी, मध्य और बुंदेलखंड क्षेत्र की संपर्क व्यवस्था को मजबूत करने वाली परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। इसी क्रम में अयोध्या रिंग रोड की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि इससे श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे तथा अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों तक निर्बाध संपर्क उपलब्ध होगा और शहर में यातायात का दबाव भी कम होगा।

डीएल एजेंसियों के भ्रष्टाचार व लूट पर सीएम नाराज, बोले- ऐसी कंपनियों को परिवहन विभाग ने क्यों दे दिया काम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। ड्राइविंग लाइसेंस बनाने वाली एजेंसियों के भ्रष्टाचार व लूट पर सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाराज हो गए। उन्होंने कहाकि ऐसी कंपनियों को परिवहन विभाग में काम ही क्यों दिया गया। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री की नाराजी के बाद पिछले कई महीनों से चुप्पी साधे परिवहन विभाग के अधिकारी भी हरकत में आ गए। अधिकारियों ने एजेंसियों के खिलाफ एफआईआर कराने के लिए पीड़ितों से शिकायतें ली हैं। परिवहन विभाग में डीएल बनाने, प्रिंट व डिलीवर करने का काम सिल्वर टच, रोजमार्टा व फोकाम एजेंसियों के पास है। इनकी ओर से प्रदेशभर 320 कर्मचारियों को तैनात किया गया है। एजेंसियों के प्रतिनिधि भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और कर्मचारियों से नियुक्ति के नाम पर वसूली की गई है।

सोमवार को डीएल एजेंसियों के भ्रष्टाचार व लूट के शिकार पीड़ित कर्मचारी जनता दर्शन में पहुंचे थे। जहां उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एजेंसियों की कारस्तानियों से रूबरू कराया। पीड़ित अखिलेश कुमार, अनुज कुमार आदि ने मुख्यमंत्री को बताया कि एजेंसियों ने भर्ती के नाम पर तीन से चार लाख रुपये वसूले। इसके बाद जब एजेंसी प्रतिनिधियों ने उनसे सैलरी का पैसा एडवांस मांगा और उन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया तो उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़ितों ने बताया कि मुख्यमंत्री उनकी शिकायतें सुनकर एजेंसियों पर नाराज हो गए। उन्होंने कहाकि ऐसी कंपनियों को परिवहन विभाग में काम ही क्यों दिया गया। साथ ही पीड़ितों को न्याय देने का आश्वासन भी दिया गया। सीएम की नाराजगी के बाद परिवहन विभाग के अफसर हरकत में आ गए। तत्काल पीड़ितों से संपर्क कर उन्हें मुख्यालय बुलाया। उनसे एजेंसियों के खिलाफ शिकायतें ली।

पहले टरकाते रहे अफसर, अब पुचकार रहे

डीएल एजेंसियों की मनमानी, भ्रष्टाचार व लूट के मामले में पिछले करीब छह महीने से प्राइवेटकर्मी परेशान हैं। वे परिवहन आयुक्त आशुतोष निरंजन सहित अन्य अफसरों से मिलने के लिए मुख्यालय भी गए, पर उन्हें टरका दिया गया। अफसरों ने एजेंसियों के खिलाफ इंचभर कार्रवाई तो दूर, सुनवाई तक नहीं की, लेकिन सीएम के नाराज होते ही अफसर एक्टिव हो गए। उन्होंने मामले की गंभीरता को समझते हुए पीड़ितों से बातचीत की। जो अफसर पहले उन्हें टरका रहे थे, वे सोमवार को कर्मियों को पुचकारते नजर आए।

अफसरों की शह पर डीएल एजेंसियों ने की लूट

डीएल एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने अफसरों की शह पर प्रदेशभर में कर्मचारियों से भर्ती के नाम पर तीन से चार लाख रुपये वसूले। कर्मचारियों के पैसों से ही कम्प्यूटर व यूपीएस लगवा गए। कर्मचारियों से उनकी सैलरी के पैसे भी एडवांस में वसूले गए, ऐसा करने से इनकार करने वाले 40 कर्मियों को निकाल दिया गया। सूत्र बताते हैं कि एजेंसियों के इस लूटपाट में अफसरों को भी हिस्सा दिया गया।

लखनऊ अब मिसाइलों का शहर, गड़बड़ी करने वालों को मुस्कुराने का मौका नहीं मिलेगा : डिप्टी सीएम

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को कहा, लखनऊ की पहचान अब केवल तहजीब और मुस्कुराहट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में भी नई पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के प्रयासों से लखनऊ में मिसाइलों का निर्माण हो रहा है और देश की सुरक्षा क्षमता लगातार मजबूत हो रही है।

केजीएमयू के 22वें दीक्षांत समारोह में संबोधित करते हुए ब्रजेश पाठक ने कहा, पहले कहा जाता था कि मुस्कुराइए, आप लखनऊ में हैं। अब यहां मिसाइलें बन रही हैं। जो गड़बड़ी करेगा, उसे मुस्कुराने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ब्रह्मोस मिसाइल का जिक्र करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीक के जरिए सटीक निशाना लगाया जा सकता है।

अटल बिहारी वाजपेयी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि रहे, जबकि राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने मेधावी विद्यार्थियों को 54 पदक और 1701 छात्रों को उपाधियां प्रदान कीं। इनमें 975 छात्र और 726 छात्राएं शामिल हैं।

समारोह में स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के नाम को लेकर लोगों में भ्रम रहता है, जबकि इसके निर्माण में किंग जॉर्ज का कोई आर्थिक योगदान नहीं था।

इस अवसर पर नीति आयोग के सदस्य डॉ. एम. श्रीनिवास को चिकित्सा प्रशासन एवं स्वास्थ्य नीति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मानद डीएससी की उपाधि से सम्मानित किया गया। वहीं, विश्वविद्यालय के कई चिकित्सकों को कुलपति और फैकल्टी अप्रिसिएशन अवार्ड प्रदान किए गए।

एमबीबीएस की छात्रा दीप्ति शर्मा ने सर्वाधिक 16 पदक जीतकर समारोह की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की। उनके अलावा निधि सिंह, अभिलाषा घोष और अनिकेत चंद्रा सहित कुल 20 मेधावियों को 54 पदक प्रदान किए गए।

पीपीएस से प्रोन्नत 28 आईपीएस अधिकारियों को जल्द मिलेंगी तैनाती, सीनियर अफसरों का भी होगा ट्रांसफर

लखनऊ। राज्य में पीसीएस और आईएएस अफसरों के तबादले के बाद आईपीएस अधिकारियों की तैनाती में बड़े बदलाव की तैयारी की जा रही है। इसी माह पीपीएस से आईपीएस के पद पर पदोन्नत 28 अधिकारियों की नई तैनाती को लेकर इस बदलाव के तहत कई जिलों के पुलिस प्रमुखों का भी बदला जाना तय माना जा रहा है। आईपीएस अधिकारियों की नई तैनाती को अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा है। संघ लोक सेवा आयोग ने पहली जुलाई को विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश के बाद राज्य के 28 पीपीएस अधिकारियों को आईपीएस के पद पर पदोन्नत किया था। इनमें कमल किशोर, सुरेश चन्द्र रावत, शुएब इकबाल, राहुल मिठास, आलोक कुमार शर्मा, राज कुमार, महेश सिंह अत्रि, विनीत भटनागर, जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, शशि शेखर सिंह, कुलदीप सिंह, ज्ञानेन्द्र नाथ प्रसाद, हरेन्द्र प्रताप यादव, वंशराज सिंह यादव,डा. कृष्ण गोपाल, मधुवन कुमार सिंह, कपिल देव सिंह, बलवंत कुमार चौधरी, राहुल श्रीवास्तव, राजेश कुमार पांडेय, प्रीति बाला गुप्ता, विकास चन्द्र त्रिपाठी, पुर्णेन्दु सिंह, हरेन्द्र कुमार, मार्तण्ड प्रकाश सिंह, अभय नाथ त्रिपाठी,पवित्र मोहन त्रिपाठी व देवेश कुमार शर्मा शामिल हैं। इन सभी अधिकारियों की नई तैनाती के लिए पुलिस मुख्यालय से शासन को पत्र भेजा जा चुका है। इसके बाद से पदोन्नत अधिकारियों में प्रमुख पदों पर तैनाती के लिए खींचतान चल रही है। उम्मीद है कि पदोन्नति पाकर आईपीएस बने कई अधिकारियों को उन जिलों में बतौर पुलिस प्रमुख की जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जहां लंबे समय से पुलिस प्रमुख को बदला नहीं गया।

चंपत राय की वापसी की सुगबुगाहट, समर्थन में खुलकर उतरे संत-व्यापारी, ट्रस्ट की अगली रणनीति पर टिकीं निगाहें

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पूर्व महासचिव चंपत राय को लेकर अब अयोध्या में माहौल बदलता दिखाई दे रहा है। एक ओर उन्होंने सार्वजनिक पत्र जारी कर खुद को निर्दोष बताते हुए एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट आने तक विस्तृत जवाब देने की बात कही है, वहीं दूसरी ओर उनके समर्थन में साधु-संतों और व्यापारिक संगठनों की लामबंदी भी तेज हो गई है। ट्रस्ट के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर यह चर्चा जोर पकड़ रही है कि अंतिम जांच रिपोर्ट के बाद परिस्थितियां बदल सकती हैं।

रामभक्तों के नाम लिखे अपने पत्र में चंपत राय ने कहा था कि उनके साथ अपनों ने विश्वासघात किया है। उन्होंने दावा किया था कि एसआईटी की प्रारंभिक रिपोर्ट में उनका नाम नहीं है और अंतिम रिपोर्ट आने के बाद वह हर आरोप का तथ्यात्मक जवाब देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह अयोध्या से किसी प्रकार का दाग लेकर नहीं जाना चाहते।

चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे स्वीकार किए गए थे

चढ़ावा अनियमितता प्रकरण के बाद गठित एसआईटी की जांच अभी जारी है। प्रारंभिक रिपोर्ट के आधार पर कई आरोपित गिरफ्तार किए जा चुके हैं, जबकि ट्रस्ट के तत्कालीन पदाधिकारियों से भी पूछताछ हुई है। इसी बीच छह जुलाई को ट्रस्ट की बैठक में चंपत राय और डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे स्वीकार किए गए थे।

हालांकि इसके बाद से चंपत राय के समर्थन में आवाजें लगातार बढ़ रही हैं। अयोध्या के कई प्रमुख संतों का कहना है कि अंतिम जांच रिपोर्ट आने से पहले किसी भी व्यक्ति को दोषी मानना न्यायोचित नहीं है। उनका कहना है कि वर्षों तक राम मंदिर आंदोलन और निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति पर अंतिम निष्कर्ष आने से पहले निर्णय नहीं दिया जाना चाहिए।

सिर्फ संत समाज ही नहीं, बल्कि अयोध्या के व्यापारिक संगठनों ने भी यही रुख अपनाया है। व्यापारियों का कहना है कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती और दोष सिद्ध नहीं होता, तब तक किसी व्यक्ति को अपराधी की तरह प्रस्तुत करना उचित नहीं है।

ट्रस्ट की अगली रणनीति पर सभी की निगाहें

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि के उस बयान ने भी चर्चाओं को हवा दी है, जिसमें उन्होंने कहा था कि भविष्य में क्या होगा, इस बारे में अभी कुछ नहीं कहा जा सकता। दूसरी ओर, कृष्ण मोहन को स्थायी महासचिव के बजाय कार्यवाहक महासचिव बनाए जाने को भी कई लोग भविष्य की संभावनाओं से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि ट्रस्ट ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है। अब सभी की निगाहें 22 जुलाई को प्रस्तावित श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक पर टिकी हैं। माना जा रहा है कि एसआईटी की अंतिम रिपोर्ट और उसके बाद ट्रस्ट की अगली रणनीति से ही यह स्पष्ट होगा कि चंपत राय की भूमिका भविष्य में क्या रहने वाली है।

14 अगस्त से होगा क्रिकेट का महासंग्राम, पहली बार लखनऊ और कानपुर में खेला जाएगा सीजन-4

लखनऊ। उत्तर प्रदेश क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। यूपी टी20 लीग सीजन-4 का आयोजन 14 अगस्त से 6 सितंबर 2026 तक किया जाएगा। 24 दिनों तक चलने वाले इस टूर्नामेंट में कुल 34 मुकाबले खेले जाएंगे। इनमें 13 डबल-हेडर मैचडे और 8 सिंगल-हेडर मैचडे शामिल होंगे।

इस बार लीग अपने इतिहास में पहली बार दो शहरों में आयोजित की जाएगी। टूर्नामेंट का पहला चरण भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेला जाएगा, जहां 13 मैचडे में कुल 22 मुकाबले होंगे। इसके बाद प्रतियोगिता ग्रीन पार्क स्टेडियम, कानपुर शिफ्ट होगी, जहां शेष 12 मैच 11 मैचडे में आयोजित किए जाएंगे। सीजन-4 का उद्घाटन समारोह और पहला मुकाबला लखनऊ में होगा, जबकि फाइनल मुकाबला और समापन समारोह कानपुर में आयोजित किया जाएगा।

नक्सलवाद के बाद घुसपैठ पर निर्णायक प्रहार

देश को नक्सल आतंक की जकड़ से बाहर निकालने और जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर में आतंकवाद पर निर्णायक प्रहार के बाद अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा के अगले चरण का बिगुल फूंक दिया है। इस बार निशाने पर केवल घुसपैठ नहीं, बल्कि घुसपैठ के जरिये सीमावर्ती इलाकों में बदलता जनसंख्या संतुलन, तस्करी, मादक पदार्थों का जाल, कट्टरपंथ, ड्रोन खतरे, संगठित अपराध और सीमा पार से संचालित छद्म युद्ध की पूरी रणनीति है। अमित शाह ने स्पष्ट संकेत दिया है कि देश को घुसपैठिया मुक्त बनाने और सीमाओं को अभेद्य सुरक्षा कवच देने का व्यापक अभियान अब सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अमित शाह का मानना है कि सीमावर्ती क्षेत्रों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन केवल स्थानीय समस्या नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक स्थिरता और सामरिक संतुलन से जुड़ा हुआ प्रश्न है, ऐसे में यह अभियान वर्तमान के साथ-साथ भविष्य के भारत की सुरक्षा का भी मजबूत आधार बनेगा। हम आपको बता दें कि नई दिल्ली में आयोजित सीमांत जिला पुलिस अधीक्षक सम्मेलन को संबोधित करते हुए अमित शाह ने सीमा सुरक्षा के लिए सरकार की नई और व्यापक रणनीति सामने रखी। उन्होंने कहा कि यह सम्मेलन सीमा सुरक्षा के समग्र दृष्टिकोण को संस्थागत स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अब केवल भूमि सीमाओं तक ही नहीं, बल्कि आने वाले समय में तटीय सीमाओं की सुरक्षा के लिए भी इसी प्रकार का समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण अपनाया जाएगा। सम्मेलन में सीमा सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियों, उनके समाधान और भविष्य की नीति तैयार करने पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की सीमा सुरक्षा व्यवस्था अब केवल चौकियों और गश्त तक सीमित नहीं रहेगी। सरकार सीमा सुरक्षा बलों, राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के संबंधित विभागों और सीमावर्ती क्षेत्रों के स्थानीय नागरिकों को साथ जोड़कर चार स्तरीय सुरक्षा तंत्र तैयार कर रही है। यही चतुष्कोणीय सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भारत की सीमाओं को अभेद्य बनाने का सबसे मजबूत आधार बनेगी। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमा, समृद्ध सीमावर्ती क्षेत्र और सतर्क समाज मिलकर ही राष्ट्र की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। गृह मंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि भारत की लगभग पंद्रह हजार किलोमीटर लंबी अंतरराष्ट्रीय सीमा अठारह राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से होकर गुजरती है। इतनी विशाल सीमा की सुरक्षा केवल सुरक्षा बलों के भरोसे संभव नहीं है। इसके लिए स्थानीय समाज की भागीदारी, प्रशासनिक समन्वय और आधुनिक तकनीक का प्रभावी उपयोग अनिवार्य है। इसी सोच के तहत सरकार अलग थलग सीमा चौकियों की पुरानी व्यवस्था से आगे बढ़कर एकीकृत सुरक्षा तंत्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत की स्मार्ट सीमा की परिकल्पना आने वाले वर्षों में दुनिया की सबसे आधुनिक सीमा सुरक्षा व्यवस्था का रूप लेगी। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने नक्सलवाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद और पूर्वोत्तर में हिंसा के खिलाफ उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। अब अगले तीन वर्षों में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर भी निर्णायक प्रहार किया जाएगा। साथ ही ऐसा मजबूत सुरक्षा ढांचा तैयार किया जा रहा है जिससे देश पूरी तरह घुसपैठ मुक्त बने और भविष्य में किसी भी प्रकार की अवैध घुसपैठ की संभावना लगभग समाप्त हो जाए। उन्होंने कहा कि पहले समस्याएं स्थायी होती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान तैयार कर रही है। देखा जाये तो इस पूरी रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू सीमावर्ती क्षेत्रों में बदलते जनसंख्या स्वरूप पर मोदी सरकार का विशेष ध्यान है। अमित शाह ने स्पष्ट कहा कि सीमावर्ती इलाकों में अस्वाभाविक जनसंख्या परिवर्तन का सबसे बड़ा कारण अवैध घुसपैठ है। इसी कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसंख्या अध्ययन अभियान प्रारंभ किया है, जिसके तहत जनसंख्या में हो रहे अस्वाभाविक बदलावों का अध्ययन किया जाएगा, उनके कारणों की पहचान होगी और भविष्य में ऐसे परिवर्तनों को रोकने के उपाय सुझाए जाएंगे। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि अस्वाभाविक कारणों से होने वाली जनसंख्या वृद्धि पर कठोरता के साथ नियंत्रण किया जाएगा। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में जनसंख्या परिवर्तन से जुड़ी हर महत्वपूर्ण सूचना सबसे निचले स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक तत्काल पहुंचनी चाहिए, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके। सरकार सीमाओं को मजबूत बनाने के लिए आधारभूत ढांचे पर भी अभूतपूर्व निवेश कर रही है। अमित शाह ने बताया कि सीमा क्षेत्रों में आधारभूत संरचना पर निवेश में चार सौ प्रतिशत की वृद्धि की गई है और वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ सड़कों, संचार व्यवस्था, निगरानी तंत्र तथा अन्य सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है।

कौशल बने उम्मीदवार की पहली पहचान न कि कोई उपाधि

निशा सिंह

ऐसा नहीं लगता कि यह किसी एक नियोक्ता की बात है। यह भर्ती प्रक्रिया की बुनावट में ही बसी एक आदत है

किसी उम्मीदवार की पहली पहचान उसका कौशल होना चाहिए, न कि उसका संबोधन या उपाधि। भारत के बदलते नौकरी बाज़ार पर एक लेख के लिए भर्ती प्रक्रियाओं पर शोध करते समय हाल ही में कुछ ऐसा देखने को मिला, जिसने रुक कर सोचने पर मजबूर कर दिया। कई भर्ती प्लेटफॉर्म उम्मीदवारों से उनका संबोधन, लिंग, वैवाहिक स्थिति, यहाँ तक कि यौन रुझान तक पूछ लेते हैं, जबकि उनके अनुभव की एक पंक्ति भी अभी तक पढ़ी नहीं गई होती।

कार्पोरेट कम्युनिकेशन एक्सपर्ट निशा सिंह का कहना है कि यह महज़ एक धारणा नहीं है। इंडियन स्टैटिस्टिकल इंस्टीट्यूट के एक आर्थिक सम्मेलन में प्रस्तुत भारत के एचआर भर्ती बाज़ार पर हुए एक क्षेत्रीय प्रयोग में, समान योग्यता वाले आवेदन भेजे गए जिनमें केवल घोषित वैवाहिक स्थिति अलग थी। फिर भी भर्तीकर्ताओं की प्रतिक्रिया अलग-अलग रही। इसके अलावा, 2024 की एक रॉयटर्स जांच में सामने आया कि भारत में फॉक्सकॉन के लिए काम करने वाली भर्ती एजेंसियाँ विवाहित महिलाओं को असेंबली-लाइन की नौकरियों से बाहर कर रही थीं, एक प्रथा, जिसे कंपनी ने सामने आने के बाद सुधारने की बात कही। साक्षात्कार के स्तर पर भी तस्वीर अलग नहीं है। फेमिनिज्म इन इंडिया में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, 42 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों से कम से कम एक व्यक्तिगत सवाल पूछा गया, जबकि पुरुष उम्मीदवारों के मामले में यह आंकड़ा 33 प्रतिशत था, जिनमें वैवाहिक स्थिति और पारिवारिक पृष्ठभूमि सबसे आम रहे।

ऐसा नहीं लगता कि यह किसी एक नियोक्ता की बात है। यह भर्ती प्रक्रिया की बुनावट में ही बसी एक आदत है, फॉर्म और साक्षात्कार की स्क्रिप्ट, जो यह पूछने से पहले कि कोई क्या कर सकता है, यह पूछ लेते हैं कि वह कौन है। इस क्रम को पलटने के पक्ष में तर्क लगातार मजबूत होते जा रहे हैं। मैकिंज़ी के शोध के अनुसार, कौशल के आधार पर की गई भर्ती, शिक्षा या पृष्ठभूमि के आधार पर की गई भर्ती की तुलना में कार्यक्षमता का कहीं अधिक भरोसेमंद संकेत देती है। लिंक्डइन की इंडिया फ्यूचर ऑफ रिक्रूटिंग रिपोर्ट के अनुसार, चार में से तीन भर्ती कर्ता पहले ही मानते हैं कि भविष्य कौशल-आधारित भर्ती का है। भारत के अपने श्रम आंकड़े भी इस बात को

और वजन देते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2025–26 के अनुसार महिला श्रम बल भागीदारी दर 2017–18 के 23.3 प्रतिशत से बढ़कर 2023–24 में 41.7 प्रतिशत हो गई। यह वास्तविक प्रगति है। लेकिन ऐसी प्रगति, जो अब भी भर्ती के पहले ही चरण में उन फॉर्मों से आकार लेती है, जो योग्यता से पहले वैवाहिक स्थिति पूछते हैं।

क्या हो, अगर किसी भर्ती फॉर्म में सबसे पहला सवाल बस इतना हो- यह व्यक्ति क्या कर सकता है? इसने अब तक क्या बनाया है? इसने किन समस्याओं को सुलझाया है? और यह संगठन को क्या मूल्य दे सकता है? संबोधन, वैवाहिक स्थिति, लिंग, यौन रुझान, यह सब बाद में पूछा जा सकता है और वह भी सिर्फ़ तब, जब किसी भूमिका के लिए वाकई जरूरी हो, मूल्यांकन की प्रक्रिया से पूरी तरह अलग रखकर।

निशा सिंह का कहना है कि अधिकतर नौकरियों के लिए ये पहचान से जुड़े कॉलम किसी की क्षमता आंकने में कोई मदद नहीं करते। ये सिर्फ़ परंपरा के चलते बने रहते हैं, जरूरत के कारण नहीं। बिना सवाल किए चली आ रही परंपरा, धीरे-धीरे पूर्वाग्रह में बदल जाती है। भारत तकनीक और नए क्षेत्रों से बदलती अर्थव्यवस्था के लिए एक भविष्य के लिए तैयार, कौशल-केंद्रित कार्यबल चाहता है। इस लक्ष्य के लिए सिर्फ़ पाठ्यक्रम सुधार और प्रशिक्षण ढाँचा काफ़ी नहीं है, इसके लिए भर्ती प्रणाली को भी उसी सोच के अनुरूप बनाना होगा। कोई भी देश योग्यता पर आधारित होने का दावा नहीं कर सकता, जब तक उसके भर्ती फॉर्म यह पूछते रहें कि व्यक्ति कौन है, इससे पहले कि वे यह पूछें कि वह क्या योगदान दे सकता है। यह एक छोटी-सी, लेकिन आसानी से सुधारी जा सकने वाली बात है। नियोक्ता और भर्ती प्लेटफॉर्म बस अपने आवेदन फॉर्मों का क्रम बदल सकते हैं-पहले कौशल और अनुभव, बाद में पहचान से जुड़ी जानकारी और वह भी सिर्फ़ वहीं, जहाँ वाकई ज़रूरी हो क्योंकि प्रतिभा की कोई उपाधि नहीं होती। क्षमता की कोई वैवाहिक स्थिति नहीं होती। हमारी भर्ती प्रणालियों को यह बात पहले से ही समझनी चाहिए ।

व्यंग्य

छात्र-नौजवानों का भविष्य अंधकारमय

समस्या यह धारणा है कि परीक्षा तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे छात्रों का भविष्य अंधकारमय हुआ है। परीक्षा केंद्रों को 'बंकर' में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी।

पेपर लीक के बाद दोबारा हुए नेशनल एलिजिबिलिटी- कम- एंट्रेस टेस्ट (स्नातक पूर्व) के लिए देश में बने 5,440 परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा का ऐसा घेरा खड़ा किया गया (अथवा ऐसा करने का प्रचार किया गया), मानों उन केंद्रों को किसी बड़े आतंकवादी हमले से बचाने की चुनौती सामने हो! परीक्षा आयोजन में वायु सेना, केंद्रीय सशस्त्र बलों, डाक विभाग, केंद्र सरकार के वित्तीय सेवा विभाग, और नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर की मदद ली गई। अंत में यह खबर भी आ गई कि नीट परीक्षार्थियों को असुविधा से बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली हवाई अड्डे पर 45 मिनट तक इंतजार किया! यह दीगर बात है कि इन बड़ी सुर्खियों से पेपर लीक और परीक्षा संचालन व्यवस्था की पोल को ढका नहीं जा सका है।

छात्रों का टीवी रिपोर्टरों से यह कहना अविश्वास के गहराते माहौल को जाहिर कर देता है कि दोबारा परीक्षा में शामिल होने को लेकर वे उतने नर्वस नहीं हुए, जितनी इस आशंका से हैं कि कहीं फिर पेपर लीक ना हो जाए! वैसे दोबारा परीक्षा की दहशत से भी दर्जन भर से अधिक छात्र नर्वस हुए, जिनकी आत्महत्या की खबरें हाल में चर्चित रही हैं। ऐसी घटनाओं ने नौजवानों के एक बड़े वर्ग में आक्रोश भरा है। उसका नज़ारा फिलहाल दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के अनिश्चितकालीन विरोध प्रदर्शन में देखने को मिल रहा है।

गुस्सा इसको लेकर है कि वर्तमान सरकार के तहत जवाबदेही की अवधारणा ही दफना दी गई है। कुछ भी हो जाए, उसके लिए कोई उत्तरदायी नहीं होता! गंभीर से गंभीर समस्या में सरकार के पास दो ही जवाब होते हैः 'सिक्युरिटी स्टेट' के रूप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन और धुआंधार प्रचार से अपने पक्ष में नैरेटिव खड़ा करना। नीट के दोबारा आयोजन में इन दोनों उपायों का खुल कर मुजाहिरा किया गया। लेकिन इन उपायों से समस्याएं दूर नहीं होतीं। समस्या बनी यह धारणा है कि परीक्षा का सरकारी तंत्र अकुशलता और भ्रष्टाचार के ग्रस्त है। इससे करोड़ों छात्र- नौजवानों का भविष्य अंधकारमय हो रहा है। परीक्षा केंद्रों को 'बंकर' में तब्दील करने से यह धारणा दूर नहीं होगी।

ब्लॉग

आ गया मानसून

डॉ. सुधीर सक्सेना

आ गया मानसून। मानसून आ गया है। करीब एक पखवाड़े की लुकाछिपी के बाद अंततः मानसून आ गया। इतराते-इठलाते मेघ पाहुने आखिरकार नाज-नखरे के साथ प्रकट हुए। धरती पुलक से भीग गई। यह अनहोनी नहीं है। यह सदियों से चला आया चक्र है। अनहोनी तब होती है, जब चक्र खंडित होता है और बादल रूठ जाते हैं, धरती की त्वचा में पपड़ियाँ पड़ जाती हैं और जीव-जंतु तुषार्त और व्यग्र हो जाते हैं। बहरहाल, किंचित विलंब ही सही, धरती और धरती के प्राणियों की प्रतीक्षा के मोद से भरे बादल आए, बरसे और कृतकृत्य हुए।

किसी ने कहा, 'अहा, बारिश आ गई। अंग्रेजीदाँ बोले, 'इट्स रेनिंग। मेरे जर्मन-भाषी मित्र ने दूरभाष पर कहा, 'एस रेग्नेट। तो मराठी माणूस चहका, 'पाऊस आला। कोकणस्थ ने भी कहा, 'हओ, पाउस आला। मेरी बंगालन सखी ने आसमान से हुई रस-वृष्टि में आपादमस्तक भीग जाने के बाद संदेशा भेजा, 'वृष्टि एलो। फोन की घंटी घनघनाई! मस्क्वा से मेरे मित्र का प्रश्न था, 'प्रिश्योल दोश्द? मैंने सानंद कहा—'दा। दोस्त मेरे आनंद में शरीक हुआ।

मानसून आता है, तो लोगबाग खुश होते हैं। मानसून हमारा शब्द नहीं है, अलबत्ता अब पूरे मुल्क में चलन में है। हम भारतीयों ने इसे हृदय से अपना लिया है। यह हमारी सहृदयता का सरस प्रमाण है। अब यह पराया या अजनबी नहीं रहा। अरबी मूल का यह शब्द ब्रिटिश इंडिया में चलन में आया। बीती सदी के शुरू में लार्ड कर्जन ने कहा था कि इंडिया में फसल मानसून की बिसात पर खेला जाने वाला जुआ है। लार्ड कर्जन गए, उनके सजातीय गए, लेकिन मानसून का इंतजार तब भी था, आज भी है और कल भी रहेगा। यह मानसून की सनातन महत्ता है। वर्षा द्वैत के अद्वैत और अद्वैत के द्वैत में परिवर्तन का दश4न है। मानसून का आना इंतजार की घड़ियों का खत्म होना है। मानसून प्रतीक्षा के उपरांत मिलन के पर्याय का घोतक है। यह अनिर्वचनीय आनंद की मंगल-वेला है।

खानखाना कहते हैं—

दादुर, मोर, किसान मन, लग्यो रहै घन माहिं।
रहिमन चातक रटनि हूँ, सरवर को कोउ नाहिं॥

विज्ञान इसकी पुष्टि करता है कि मेंढक वर्षा ऋतु आने पर परम प्रसन्न होते हैं। पावस के आने पर मोर का नृत्य उनके उल्लास का परिचायक है। और किसान? वर्षा उसके लिए सर्वस्व है। वह उसी से निहाल होता है। एक और जीव है, जिसका पावस से विचित्र नाता है। वह है चातक। हिन्दी और संस्कृत वाङ्मय में चातक का जिक्र अनगिनत बार हुआ है।

मानसून का क्या अभिप्राय है? अरबी में मौसिम मौसम के लिये प्रयुक्त होता है। पुर्तगाली में यही मान्साओ है और डच भाषा में मॉनसन।

सागर से जमीन की ओर प्रवाहित नम हवाओं के लिये प्रयुक्त यह शब्द अब हमारा प्रिय और व्यवहृत शब्द है। दिशाएँ ऋतुनिष्ट होती हैं। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आने वाली गीली हवा वर्षा का निमित्त बनती है। जलागारों या स्रोतों से वाष्पीकृत बूँदें वाष्परूप में नहीं रहना चाहतीं, वे द्रवीभूत होना चाहती हैं। उनकी इसी नैसर्गिक चाहत की परिणति है वर्षा।

सौभाग्य देखिये कि भारत में अनुमानतः तीन-चार माह वर्षा होती है, किन्तु विश्व में सर्वाधिक वर्षा का कीर्तिमान भारत के नाम दर्ज है। चेरापूँजी को कौन नहीं जानता? सन 1860-61 में 26971 मि.मी. वर्षा से विश्व-कीर्तिमान स्थापित कर चुके चेरापूँजी को पूर्वी खासी पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम ने इस गौरव से अपदस्थ कर दिया है। कुप्पीनुमा पहाड़ियों में स्थित मवसिनराम में ढाई सौ से तीन सौ दिन सालाना औसतन 467 इंच बारिश होती है। चेरापूँजी और मवसिनराम दोनों ही मेघालय में स्थित हैं। दुनिया में अटाकामा सबसे कम वर्षा का इलाका है, तो मेघालय अधिक वर्षा के मामले में अग्रणी। मेघ मेघालय में धारासार नहीं बरसेंगे तो और कहाँ बरसेंगे?

भारत 80 प्रतिशत से अधिक वर्षा के लिये मानसून का शुक्रगुजार है। मानसून की कृपा है तो भारत में श्री, सुषमा, अन्न-भंडार और सुख-चैन की व्याप्ति है।

भारत में साहित्य, कला और संस्कृति ऋतुओं से जुड़ी हुई हैं। वाल्मीकि-कालिदास से लेकर आधुनिक काल में नागार्जुन तक काव्य-रचना के लिये वर्षा से प्रेरित हुए। वैदिक ऋषि ने पर्जन्य की पिता के रूप में अभ्यर्थना की। आदिकवि वाल्मीकि ने मेघमाला को ऐसी सीढ़ी कहा, जिस पर चढ़कर कुटज और अर्जुन की माला से सूर्य की आराधना कर सकते हैं। 'रामायण में वह लिखते हैं-

रजः प्रशान्तः स हिमोद्यवायुः, निदाघदोषः प्रसरः प्रशान्तः।
स्थिता हि यात्रा वसुधाधिपानां, प्रवासिनां च स्वदेशगमनम॥

उन्होंने वर्षाजन्य स्थितियों का क्या ही सुंदर वर्णन किया। कविकुलगुरु कालिदास की तो कृति ही 'मेघदूतम' है। 'ऋतुसंहार' में उन्हें वर्षा का आगमन ऐसा प्रतीत होता है, मानो पावस जल से भरे बादलों के मतवाले हाथी पर बैठकर, विद्युत-पताका थामे, मेघों की गर्जना का मृदंग बजाते, राजाओं की भाँति ठाठ-बाट से आ गया हो।

कालिदास के यक्ष और अमरूक-शतक की नायिका की आशा का केन्द्र कोई और नहीं, बादल ही हैं। शूद्रक, भवभूति और जयदेव ने भी मेघों का बखान किया है। आधुनिक युग में निराला 'अति घिर आए घन पावस के' लिखते हैं, महादेवी वर्मा कहती हैं—'मैं नीर भरी दुःख की बदली।'

माखनलाल चतुर्वेदी लिखते हैं- बदरिया थम-थम कर झर री!

सागर को मत भरे अभागन,
गागर को भर री!

नागार्जुन भी अमुल धवल गिरि के शिखरों पर बादल को घिरते देखते हैं। वीरेंद्र मिश्र कजरी को स्वर देने और वाणी को पानी का वर देने को बादल को अर्चना करते हैं। नजीर अकबराबादी बादलों को काव्य के अनुशासन में बांधते हैं। पंडित छन्नूलाल मिश्र गाते हैं?

सावन झर लागे ला धीरे-धीरे..

अकेली डर लागे ला धीरे धीरे। जब वह गाते है तो याद आती है तुलसी की पंक्तियां : घन घमंड नभ गरजत घोरा। प्रिया हीन डरपत मन मोरा। पावस में मेरा कवि मन कहता है- साथ जब होती हो तुम /चाहते चाहते हैं बस/ कि दूर-दूर तलक/ न सायबान हो/ न दरख्त / न ओट/ न छज्जा/ बस, गजब की बारिश हो/ भीगते रहे हम आपादमस्तक/एक साथ सदियों तक।

सुनिये, पं. हृदयनाथ मंगेशकर का मराठी गीत - ती गेली तेव्हा रिमझीम पाऊस निनादत होता। मेघात मिसळली किरणे, हा सूर्य सोडवित होता। आप सुरों की बारिश में भीग जआगे।

यासिन कमाल की शुरू कीदो पंक्तियाँ हैं - बूँदे झर रही हैं, बारिश में भीगने का सुख ही अलग है। प्रिया के साथ भीगने का सुख ही अलग है। सर्वथा अनिर्वचनीय।

भारतीय फिल्मों में बारिश की बूंदें खूब भरी है और वर्षा के अनगिन दृश्य उभरे हैं। याद कीजिये प्यार हुआ, इकरार हुआ गीत या फिर इक लड़की भीगी भागी सी या ओ, सजना बर?खा बहार आयी। ये सन 1960 के आसपास की फिल्में है जिंदगी भर नहीं भूलेगी वो बरसात की रात भी तभी का है। रिमझिम गिरे सावन, आज रपट जाये, लगी आज सावन की, टिप-टिप बरसा पानी, अबके सावन, बरसो रे मेघा बाद के हैं।

वर्षा- गीतों का यह श्रुति मधुर क्रम जारी रहेगा। आरती मुखर्जी का गाया बंगला गीत 'वृष्टि, वृष्टि, वृष्टि! ए कोनो अपरूप सृष्टि!'/एतो मिष्टि मिष्टि मिष्टि, आमार हारिये गेले दृष्टि। मैंने लेखिका - गायिका अमृता बेरा के मुख से सुना और मंत्रमुग्ध हुआ। मराठी भी कहाँ पीछे है! गारवा (मिलिंद इंगळे), चिंब भिजलेले (शंकर महादेवन) या श्रावणमासी (स्वप्निल बांदोडकर) को सुनिये। या फिर सुनिये बालगीत' ये रे ये रे पावसा तुला देतो पैसा पैसा/ पैसा झाला खोटा/ पाऊस आला मोठा। ये गीत आपको भीतर तक भीगो देंगे।

आप हैव यू एवर सीन द रेन अथवा रिदम ऑफ द रेन सुनिये या फिर पर्पल रेन या अंब्रेला। आप सुरों की बारिश में भीगेंगे और चाहेंगे कि भीगते रहे।

निश्चित ही वर्षा एक अनूठा सुख हैं; चाक्षुष भी, ऐंद्रिक भी। भाषायें और संगीत सुर- ताल उसे व्यक्त करने का माध्यम। मानसून हमारा अतिथि है। हम उसके आने की तिथि की आतुर प्रतीक्षा करते हैं। हम अच्छे आतिथेय हों। उसकी अगवानी और अभ्यर्थन करें। हम धरती पर अटाकामा होने से डरें। कोई पूछे : हैव यू सीन द रेन तो हमारा उत्तर स्वीकार में हो। हम वर्षा को भरबांह भेंटें। पावस भी कविता है। प्रकृति की अत्यंत सुंदर कविता। मानसून कितने भी दिनों के लिये क्यों न आये हम भूलें नहीं कि मानसून में जल नहीं, नेह बरसता है, अविरल-अविराम।

यूपी चुनाव 2027: गठबंधन की ज्यादा जरूरत सपा को है... कांग्रेस नेता इमरान मसूद का बड़ा बयान

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के रिश्तों में दरार साफ नजर आने लगी है। दोनों दलों के नेताओं के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है, जिसके बाद इंडिया गठबंधन पर सवाल उठने लगे हैं। इस बीच कांग्रेस नेता इमरान मसूद का बयान सामने आया है। उन्होंने तीखे लफ्जों में सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि गठबंधन की जरूरत सपा को कांग्रेस से ज्यादा है। इसके साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि सपा मुस्लिम नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती।

कांग्रेस नेता मसूद का यह बयान ऐसे समय आया है जब दोनों दल 2024 लोकसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद अपनी-अपनी ताकत और गठबंधन की शर्तों को लेकर सार्वजनिक मंचों पर आमने-सामने हैं। इससे ये सवाल एक बार फिर से उठ रहा है कि क्या 2024 के लोकसभा चुनावों में जीत दिलाने वाली यह साझेदारी अगले विधानसभा चुनावों तक कायम रह पाएगी।

'गठबंधन की जरूरत कांग्रेस से ज्यादा SP को है'

उदयवीर सिंह की टिप्पणी का जवाब देते हुए मसूद ने दावा किया कि गठबंधन की जरूरत कांग्रेस से ज्यादा समाजवादी पार्टी को है। उन्होंने कहा 'समाजवादी पार्टी गठबंधन की मांग कर रही है, और इसी गठबंधन की बदौलत आप 2024 में 37 सीटें जीत सके वरना 2022 में तो आप 120 सीटें भी पार नहीं कर पाए थे'।

'मुस्लिम नेता को बर्दाश्त नहीं कर सकती SP'

समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला करते हुए मसूद ने आरोप लगाया कि पार्टी प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का समर्थन करने में लगातार विफल रही है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी किसी मुस्लिम नेता को या ऐसा नेता जो मुखर है उसे बर्दाश्त नहीं कर सकती और ऐसा ही एक नेता अब कांग्रेस में है। उन्होंने सपा से जुड़े रहे कुछ प्रमुख मुस्लिम नेताओं का जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी में मुख्तार अंसारी, अतीक अहमद और आजम खान जैसे नेताओं के साथ क्या हुआ, यह सभी जानते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपने प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं का साथ नहीं देती।

'मैं राहुल और प्रियंका गांधी की वजह से जीता'

कांग्रेस नेता ने इस बात को भी खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन पर निर्भर थी। उन्होंने कहा, 'मैंने राहुल गांधी और प्रियंका गांधी की वजह से अपनी सीट जीती है। गठबंधन में रहते हुए भी मैंने चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी के लिए एक भी रैली नहीं की'।

मसूद का बयान कांग्रेस और सपा के बीच बढ़ते तनाव को साफ जाहिर कर रहा है। इससे पहले नए नियुक्त यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अराज कुमार सिंह पटेल ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए सपा के साथ किसी भी गठबंधन में कांग्रेस बराबर सीटें मांगेगी। उनके इस बयान को स तरह देखा गया कि 2024 लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन से उत्साहित कांग्रेस अब राज्य में दूसरे नंबर पर रहने को तैयार नहीं है।

एक ही जमीन का 2 बार बैनामा कर 15 .35 लाख की ठगी, पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। जमीन के नाम पर धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आते ही जमीन के सौदागरों में हड़कंप मच गया गया। आपको बताते चले कि लोनीकटरा थाना क्षेत्र का है। जहां आरोपियों ने पहले ही बिक चुकी जमीन को दोबारा बेचकर एक व्यक्ति से 15 लाख 35 हजार रुपये हड़प लिए। जब पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़ित ने 4 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक बाराबंकी को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की थी। पीड़ित नीरज कुमार पुत्र राम नेवाज, निवासी ग्राम खानपुर, थाना लोनीकटरा ने बताया कि ग्राम दौलतपुर, परगना हैदरगढ़ में स्थित गाटा संख्या 980, रकबा 0.506 हेक्टेयर भूमि के खातेदार संतराम, राम सजीवन, राम स्वरूप और शिवनाथा थे। आरोप है कि राम सजीवन और शिवनाथा ने अपने हिस्से की जमीन नीरज को बेचने का सौदा किया।

16 बारातघर व स्विमिंग पूल को अंतिम नोटिस, 2.20 करोड़ रुपये बकाया ये खबर भी पढ़े : 16 बारातघर व स्विमिंग पूल को अंतिम नोटिस, 2.20 करोड़ रुपये बकाया

24-01-2026 को शिवनाथा ने अपने हिस्से 0.126 हेक्टेयर जमीन का बैनामा नीरज के नाम कर दिया। इसके बदले 6 लाख 35 हजार रुपये RTGS के जरिए शिवनाथा के खाते में भेजे गए। उसके बाद 31-01-2026 को राम सजीवन ने भी अपने हिस्से की जमीन का बैनामा नीरज के नाम किया। इसके एवज में 7 लाख रुपये RTGS से राम सजीवन की पत्नी रामलली के खाते में और 2 लाख रुपये नगद दिए गए। इस तरह कुल 15,35,000 रुपये दिए गए।

सौतन के साथ पकड़ने के लिए पत्नी ने लगाया शातिर दिमाग, रात होते ही जाल में फंसा पति, फिर जो हुआ!

आर्यावर्त संवाददाता

हरदोई। आशानगर मुहल्ले में दूसरी शादी के शक पर एक महिला ने अपने पति के घर पहुंचकर बेड के नीचे छिपी कथित 'सौतन' को पकड़ लिया और सीधे कोतवाली ले गई। पुलिस ने पति का शांतिभंग में चालान कर दिया है, जबकि दूसरी शादी के आरोपों की जांच की जा रही है।

मल्लावां निवासी दिशा शर्मा ने बताया कि उनकी शादी 19 मई 2019 को आशानगर निवासी प्रशांत शर्मा से हुई थी। उनका आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद ससुराल पक्ष दहेज की मांग को लेकर प्रताड़ित करने लगा। इससे परेशान होकर वह करीब एक वर्ष पहले अपनी बेटी के साथ नोएडा स्थित मायके चली गई थीं।

वर्ष 2022 में उन्होंने गौतमबुद्धनगर के महिला थाने में दहेज उत्पीड़न का मुकदमा दर्ज कराया था, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है। दिशा के मुताबिक, 11 जुलाई को उन्हें जानकारी मिली कि उनके पति ने औरैया की एक महिला से दूसरी शादी कर ली है।

उसी शाम वह अपने माता-पिता और भाई के साथ ससुराल पहुंचीं, लेकिन परिवार ने दूसरी शादी से इनकार कर दिया। इसके बाद वह पड़ोसी के घर रुक गईं। रविवार दोपहर छत के रास्ते घर में दाखिल होकर बेडरूम पहुंचीं, जहां बेड के नीचे एक महिला छिपी मिली। दिशा ने उसे बाहर निकाल लिया और परिजनों के साथ कोतवाली पहुंच गई। कोतवाल संजय त्यागी ने बताया कि दहेज उत्पीड़न का मामला पहले से न्यायालय में लंबित है। पति का शांतिभंग में चालान किया गया है, जबकि दूसरी शादी के आरोपों की जांच की जा रही है। जांच और न्यायालय के निर्देशों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ठग ने फेक जॉइनिंग लेटर देकर दो बहनों को सरकारी स्कूल में टीचर बनाकर भेजा, 5 महीने तक दोनों ने बच्चों को पढ़ाया

आर्यावर्त संवाददाता

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर ठगी करने का एक चौंकाने वाला मामला नवाबगंज क्षेत्र से सामने आया है। आरोप है कि एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पति ने अपनी जान-पहचान का दावा करते हुए दो बहनों को शिक्षा विभाग में शिक्षक की नौकरी दिलाने का भरोसा दिया। इसके बदले उसने दोनों से कुल एक लाख रुपये ले लिए। इतना ही नहीं, उसने फर्जी नियुक्ति पत्र भी तैयार कर दिए और दोनों युवतियों को एक प्राथमिक विद्यालय में पढ़ाने के लिए भेज दिया। दोनों बहनें करीब पांच महीने तक बच्चों को पढ़ाती रहीं, लेकिन जब उन्हें वेतन नहीं मिला तो पूरे मामले का सच सामने आ गया। अब पीड़ित परिवार ने आरोपी के खिलाफ नवाबगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

दरअसल बरेली के नवाबगंज थाना क्षेत्र के गांव बरखन की रहने वाली रेखा कुमारी ने पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि वह आंगनबाड़ी कार्यकत्री हैं। काम के दौरान उनकी पहचान भदपुरा ब्लॉक की एक अन्य आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पति त्रिवेंद्र गंगवार से हुई थी। बातचीत के दौरान उसने दावा किया कि उसकी अधिकारियों तक अच्छी पहुंच है और वह सरकारी नौकरी लगवा सकता है।

रेखा कुमारी ने अपनी दोनों बेटियों की नौकरी की बात उससे की। आरोप है कि आरोपी ने दोनों को शिक्षक बनाने के नाम पर 50-50 हजार रुपये मांगे। परिवार ने भरोसा कर अक्टूबर और दिसंबर 2025 में कुल एक लाख रुपये उसे दे दिए। कुछ समय बाद आरोपी ने दोनों युवतियों को नियुक्ति पत्र देकर बताया कि उनकी तैनाती प्राथमिक विद्यालय बिहारीपुर अब्दुल रहमान में हो गई है। इसके बाद दोनों बहनों ने विद्यालय में जाकर काम भी शुरू कर दिया।

पांच महीने तक पढ़ाती रहीं, वेतन नहीं मिला तो खुली पोल

पीड़ित परिवार का आरओ है कि दोनों युवतियां लगातार करीब पांच महीने तक विद्यालय में बच्चों को पढ़ाती रहीं। इस दौरान उन्हें भरोसा था कि जल्द ही वेतन उनके खाते में आ जाएगा। लेकिन कई महीने बीत जाने के बाद भी जब कोई वेतन नहीं मिला तो उन्होंने इसकी जानकारी जुटानी शुरू की। पूछताछ के दौरान पता चला कि शिक्षा विभाग की ओर से ऐसी कोई भर्ती निकली ही नहीं थी और जो नियुक्ति पत्र उन्हें दिया गया था, वह पूरी तरह फर्जी था। यह जानकारी मिलते ही परिवार के पैरों तले जमीन खिसक गई। इसके बाद रेखा कुमारी ने आरोपी के खिलाफ नवाबगंज थाने में शिकायत देकर रुपये वापस दिलाने और सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उधर, भदपुरा ब्लॉक के खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार ने कहा कि शिक्षा विभाग की ओर से इस तरह की कोई नियुक्ति नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा सवाल यह है कि दोनों युवतियों को विद्यालय में किसने और किस आधार पर काम करने दिया। पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। जांच में जो भी व्यक्ति दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

'अखिलेश यादव ने हमें दे दिया है तलाक, हमने कर लिया कबूल', ओपी राजभर ने सपा पर कसा तंज

देवरिया। उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री व सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर सोमवार को जिले में पहुंचे। उन्होंने जिला पंचायत सभागार में विभागीय समीक्षा व पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के पास कोई काम नहीं है, यह लोग के केवल हल्ला मचा रहे हैं। राममंदिर के मामले को उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट के अधीन है, ट्रस्ट के पत्र पर एसआईटी गठित कर प्रकरण की जांच की जा रही है। अखिलेश यादव को हम एक नसीहत देंगे कि यह आस्था का सवाल है।

राजभर ने आगे रहा कि सपा आस्था पर कुठाराघात कर रही है और अपना नुकसान कर रही है। आगे उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने हमें तलाक दे दिया है और हमने भी कबूल कर लिया है।

'मैं अपने दर्द की किताब लिखूं तो लोग इश्क से डर...', इस इरादे से होटल गए शादीशुदा युगल, कमरा नं– 106 का सच

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। कानपुर के घंटाघर के होटल सूर्या में शादीशुदा प्रेमी युगल ने खुदकुशी कर ली। प्रेमी युगल जान देने के इरादे से ही होटल में पहुंचा था। पुलिस की जांच में पता चला कि दोनों शनिवार को घर से ही जान देने के इरादे से निकले। होटल पहुंचने से पहले दिग्विजय ने फतेहपुर स्टेशन से इंस्टाग्राम पर एक दर्दभरी रील पोस्ट की।

इसमें लिखा कि मैं अपने दर्द की किताब लिखूं तो लोग इश्क से डर जाएंगे... मैं मरने जा रहा हूं। इसके साथ एक रील में कहा कि कैसे कह दूं कि उसकी मोहब्बत झूठी है... उसके हाथों से निवाला खाया है मैंने। साथ ही एक पोस्ट में कहा कि पसर्नल लाइफ से परेशान हूं... अब थोड़ा अपनी इमेज सुधारना चाहता हूं। घंटाघर स्थित होटल सूर्या में

कमरा नंबर 106 में उन्नाव के कोतवाली के अकरमपुर मगरवारा निवासी शिवांगी तिवारी (32) और फतेहपुर के राधानगर, नई बस्ती निवासी दिग्विजय सिंह (33) के शव मिले थे।

शिवांगी के पति धीरू तिवारी ने बताया कि करीब एक साल पहले पत्नी शिवांगी की फेसबुक के जरिये दिग्विजय से दोस्ती हुई। उनके गुजरात में रहने का फायदा उठाकर दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गई थीं। पुलिस के अनुसार जहर निगलने के बाद शिवांगी ने अपने पति को आखिरी बार फोन किया।

आवाज में दर्द था। उसने सिर्फ इतना कहा कि मैंने जहर खा लिया है... अब बच्चों के साथ मजे से रहना और फोन कट गया। पुलिस को जांच में पता चला कि नौ जून को दिग्विजय और शिवांगी परिवार को छोड़कर गुजरात चले गए थे जहां से उन्नाव पुलिस ने उन्हें ढूंढ निकाला था। पुलिस ने दोनों को इस शर्त पर छोड़ा कि अब दोनों आपस में कोई संबंध नहीं रखेंगे। दोनों के थाने में ही सिमकार्ड तोड़ दिए गए और दोनों नया मोबाइल नंबर इस्तेमाल करने लगे लेकिन एक महीने के भीतर ही उनकी फिर से बातचीत शुरू हो गई। एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा ने बताया कि मामले में कॉल डिटेल, सोशल मीडिया पोस्ट और चैट के आधार पर पुलिस पहले से बनाई गई सुसाइड की योजना मानकर पूरे मामले की जांच कर रही है। कानपुर के घंटाघर के सूर्या होटल के जिस कमरा नंबर 106 में शिवांगी और दिग्विजय शनिवार दोपहर से ठहरे थे। उस कमरे में साढ़े तीन घंटे के भीतर आखिर ऐसा क्या हुआ कि दोनों ने अपनी जिंदगी ही खत्म करने का फैसला कर लिया। इस गुत्थी को सुलझाने के लिए पुलिस न सिर्फ होटल कर्मियों से एक-एक मिनट की जानकारी ले रही है, बल्कि वहां लगे सीसीटीवी के फुटेज को गंभीरता से देख रही है। दोनों के मोबाइल की कॉल डिटेल और व्हाट्सअप चैट खंगाली जा रही है। पुलिस की मानें तो दोपहर 12:30 बजे जब शिवांगी और दिग्विजय होटल में प्रवेश कर रहे थे तो जैसा कि फुटेज में दिखाई दे रहा है, उनके चेहरों पर कोई शिकन जैसे कोई भाव नहीं थे, जो कि आत्महत्या का संकेत दे रहो हो। कमरे में जाने के बाद दोनों ने कमरा भी बंद नहीं किया और बाहर भी नहीं निकले। शाम करीब चार बजे शिवांगी के चीखने पर घटना प्रकाश में आई।

पढ़ाई के साथ कचहरी में प्रैक्टिस करती थी शिवांगी

शिवांगी सदर कोतवाली के मोहल्ला अकरमपुर की रहने वाली थी। वकालत की पढ़ाई करने के साथ शहर के अधिवक्ता के बस्ते पर प्रैक्टिस करती थी। हालांकि दिग्विजय से रिश्ते के चलते परिवार में कलह बढ़ने से वह जनवरी से कचहरी नहीं गई थी। शिवांगी का पति स्कूल में वैन चलवाता था, लेकिन तीन महीने से वह गुजरात में हैं। शिवांगी के 12 साल का बेटा और नौ साल की बेटी है। पुरवा कोतवाली के भादिन गांव (मायका) की रहने वाली शिवांगी की शादी 15 साल पहले सदर कोतवाली के अकरमपुर मोहल्ला निवासी धीरू तिवारी से हुई थी। बच्चों की अच्छी परवरिश व शिवांगी को पढ़ाने के लिए दामाद धीरू तीन महीने पहले गुजरात के अहमदाबाद कमाने चला गया था। शिवांगी के पिता राजेंद्र शुक्ला व अन्य परिजन सूचना मिलते ही कानपुर के लिए रवाना हो गए।

बिना तलाक चाहती थी सहमति संबंध

पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष ने बताया कि शिवांगी पढ़ाई के साथ-साथ उनके बस्ते पर सीखने के लिए भी आती थीं। कुछ दिन पहले फोन करके शिवांगी ने दिग्विजय के साथ सहमति संबंध के लिए न्यायालय से कुछ ऐसा आदेश दिलाने की बात भी की थी, जिससे परिवार के लोग उन्हें परेशान न करें। वह बिना तलाक ही सहमति संबंध चाहती थी।

स्कूटी डिवाइडर से टकराई,मां-बेटी की मौत

रामपुर। थसिलबमिलक में सोमवार तड़के करीब 4 बजे स्कूटी डिवाडर में टकराने से बरेली निवासी मां-बेटी की मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब परिवार हरिद्वार से गंगाजल लेकर दोपहिया वाहनों से अपने घर लौट रहा था।तभी झपकी लगने से स्कूटी डिवाइडर से टकरा गई।पुलिस ने मां के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।वहीं,बेटी का शव बिना पोस्टमॉर्टम के ही घर भेज दिया गया।

बरेली के पटेल नगर निवासी कपिल खंडेलवाल पासपोर्ट ऑफिस में कॉन्ट्रेक्टर का काम करते हैं।कपिल अपनी पत्नी तृप्ति गुप्ता (50),बड़ी बेटी श्री (19),छोटी बेटी दिव्या (17) और बेटे कार्तिक (12) के साथ रविवार को हरिद्वार गए थे।वे देर रात दोपहिया वाहनों से गंगाजल लेकर बरेली लौट रहे थे।तृप्ति और उनकी बड़ी बेटी श्री एक स्कूटी पर सवार थीं,जबकि कपिल अपनी दूसरी बेटी दिव्या और बेटे कार्तिक के साथ बाइक पर थे।

तीजन बाई की अस्थियां प्रयागराज संगम में विसर्जित, पांच जुलाई को रायपुर में हुआ था निधन

आर्यावर्त संवाददाता

प्रयागराज। लोकगीत गायन में पंडवानी की सुविख्यात कलाकार पद्म विभूषण तीजन बाई की अस्थियां संगम के जल में सोमवार को विसर्जित कर दी गईं। उनके पुत्र दिलहरण पारधी, पौत्र सौरभ पारधी, नाती झाकेश्वर देशमुख समेत अन्य लोग अस्थि कलश लेकर संगम पहुंचे थे।

संगम तट पर तीर्थ पुरोहितों ने मंत्रजाप के बीच अस्थियों का विसर्जन कराया। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) के उप निदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय समेत लोक कलाकार और कला प्रेमियों ने तीजन बाई को अंतिम यात्रा के दौरान नमन किया। कई लोगों ने घाट किनारे उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

तीजन बाई भारतीय लोक संस्कृति की अमूल्य धरोहर थीं। मंच

पर जब उनकी उपस्थिति होती थी तो मानो दर्शकों के सामने 'महाभारत' की कथा जीवंत हो उठती थी। तीजन बाई अपने जीवन में कई बार इलाहाबाद (अब प्रयागराज) आईं। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र की ओर से कुंभ और माघ मेले के दौरान आयोजित होने वाले 'चलो मन गंगा यमुना तीर' के सांस्कृतिक पंडाल में लगातार कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

पांच जुलाई को रायपुर के एम्स में ली अंतिम सांस

पांच जुलाई को तीजनबाई का निधन रायपुर स्थित एम्स में हुआ था। 12 जुलाई को तीजन बाई का अस्थि कलश प्रयागराज लाया गया था। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में कला प्रेमियों, लोकविद और रंगकर्मियों ने अस्थि कलश के दर्शन किए, लोक गायिका को श्रद्धासुमन अर्पित किए थे।

कलाकारों, रंगकर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

तीजन बाई की अस्थियां सोमवार 13 जुलाई की सुबह संगम ले जाई गईं। पुत्र, पौत्र, नाती, सचिव धन्नूलाल सिन्हा और मनहरण सार्वा, के अलावा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के उप निदेशक डॉ. मुकेश उपाध्याय, कार्यक्रम प्रभारी कृष्ण मोहन द्विवेदी समेत कई कलाकार व रंगकर्मियों ने श्रद्धांजलि दी।

कोटेदार बने 'मजदूर', राशन कार्ड धारक मजबूर, चंदौसी में घाटा पूरा करने को कर रहे घटतौली

आर्यावर्त संवाददाता

चंदौसी। तहसील में राशन व्यवस्था का हाल ये है कि पात्रों तक या तो राशन नहीं पहुंच रहा या कटौती होकर पहुंच रहा है। कई कोटेदारों को खुद गोदाम तक आकर राशन उठाना पड़ रहा है। इसका भाड़ा भी समय पर नहीं मिल रहा है। ऐसे में कोटेदार राशन उपभोक्ताओं का राशन काटकर अपने नुकसान की भरपाई कर रहे हैं।

तहसील में करीब 250 कोटेदार हैं। शासन के नियमानुसार राशन को गोदामों से निकालकर कोटेदारों की दुकान तक पहुंचाना अनिवार्य है। सरकारी नियमों के अनुसार, राज्य सरकार द्वारा नियुक्त परिवहन ठेकेदारों या एजेंसियों की जिम्मेदारी होती है कि वे राशन को सीधे कोटेदार की दुकान तक पहुंचाएं। गोदाम से दुकान तक राशन पहुंचाने का पूरा खर्च सरकार द्वारा उठाया जाता है। इसके लिए किसी भी कोटेदार से कोई अतिरिक्त किराया या ढुलाई शुल्क नहीं वसूला जाना चाहिए। जिन दुकानों तक बड़े ट्रक नहीं पहुंच सकते, वहां ठेकेदारों को छोटे वाहनों के जरिए राशन पहुंचाना अनिवार्य होता है, लेकिन चंदौसी में ऐसा नहीं हो रहा। यहां तमाम कोटेदार ऐसे हैं, जो खुद गोदाम से अनाज उठाकर ले जाते हैं, जिसका भाड़ा भी उन्हें नहीं मिलता। ऐसे में कोटेदार भी गरीबों का राशन उन्हें घटतौली करके देकर अपना नुकसान पूरा करते हैं। अब कितने ऐसे कोटेदार हैं जो खुद आकर राशन गोदाम से आकर राशन ले जाते हैं, इस बारे में न तो पूर्ति निरीक्षक आशीष गुप्ता के पास कोई आंकड़ा है और न ही परिवहन ठेकेदार बबलू शर्मा के पास। हालांकि, ये दोनों स्वीकारते हैं कि कई कोटेदार गोदाम से आकर राशन ले जाते हैं। पूर्ति निरीक्षक यह भी बताते हैं कि इसके लिए उन्हें दस रुपये प्रति क्विंटल भाड़ा दिया जाता हैं। हालांकि परिवहन ठेकेदार कहते हैं कि भाड़े की कोई व्यवस्था सरकार की तरफ से नहीं है। इधर, तमाम राशन उपभोक्ताओं का कहना है कि उन्हें राशन काटकर दिया जा रहा है।

किस कार्ड पर कितना राशन

राशन वितरण व्यवस्था के तहत दो प्रकार के कार्ड होते हैं। इसमें अन्त्योदय कार्ड धारकों को 35 किलो राशन दिया जाता है। इसमें 21 किलो गेंहू तथा 14 किलो चावल होता है। तीन से चार महीने में तीन किलो चीनी 18 रुपये प्रति किलो की दर से दी जाती है। इसके अलावा पीएचएच पात्र गृहस्थी कार्ड पर पांच किलो प्रति यूनिट राशन दिया जाता है। इसमें दो किलो चावल व तीन किलो गेंहू शामिल है। अपना नुकसान पूरा करने के लिए राशन कोटेदार इसी राशन में कटौती कर लेते हैं।

गोदाम पर मिली लेबर ने बताया कि यहां आले हसन नाम का व्यक्ति पूरी व्यवस्था संभालता है। ठेकेदार कभी-कभी आते हैं। इस सबंध में जब ठेकेदार बबलू शर्मा से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वहां पर लड़के काम करते हैं, वह इस संबंध में जानकारी नहीं दे सकते। उनका काम केवल इतना है कि जो लिस्ट मिलती है, उसके अनुसार राशन पहुंचा देते हैं।

कोटेदार बोले- पांच महीने से नहीं मिला कमीशन

नगर क्षेत्र के कई कोटेदार खुद ही गोदाम से राशन लाते हैं। कुछ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि दस रुपये प्रति क्विंटल भाड़ा दिया जाता है लेकिन वह भी समय पर नहीं मिलता। और तो और पांच महीने से कमीशन भी नहीं मिला, जिससे समस्या आ रही है।

बदलते मौसम में बुखार-खांसी का डर! ये आयुर्वेदिक तरीके आएंगे काम, करें ये योगासन

मानसून का मौसम जहां अपने साथ गर्मी से राहत लाता है वहीं ये बीमारियों या हेल्थ प्रॉब्लम्स का रिस्क भी बढ़ाता है। इस दौरान मौसम में लगातार बदलाव होता है इसलिए बच्चे हो या बड़े हर किसी को बुखार–खांसी या जुकाम का डर बना रहता है। इसलिए इस मौसम में कैसा खानपान होना चाहिए और किन योगासन को करना चाहिए। चलिए आपको बताते हैं।

बारिश के मौसम से गर्मी कम जरूर हो जाती है लेकिन कई हेल्थ प्रॉब्लम्स के होने का डर बढ़ जाता है। खासतौर पर बच्चों में बुखार-खांसी का खतरा बढ़ जाता है। एक्सपर्ट कहते हैं बाहर हल्की ठंड और शरीर के हल्का गर्म होने की वजह से टेंपरेचर बिगड़ने लगता है। इस थोड़े से चेंज की वजह से कमजोर इम्यूनिटी वालों को कोल्ड हो जाता है। बारिश के मौसम में हल्की ठंडी और ताजगी महसूस होती है पर इस दौरान शरीर का खास ध्यान रखना भी जरूरी है।

बच्चे स्कूल जाते हैं और किसी वजह से थोड़े भी वो भीग जाए तो थोडी देर बाद बुखार चढ़ने की प्रॉब्लम हो जाती है। एक्सपर्ट के जरिए जानें कि बारिश के मौसम में कैसा खानपान होना चाहिए और किन आसान योगासन को किया जा सकता है।

मानसून में आते हैं ये बदलाव

इस मौसम में सुस्ती आना, गले में खराश होना, या सर्दी लगना आम बात है, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि इस समय, आपके शरीर में वात, पित्त और कफ असंतुलित हो जाते हैं। जिसके कारण आपकी पाचन क्रिया भी कमजोर हो सकती है। ऐसे में आपको अपने खानपान और दिनचर्या पर खास ध्यान देना चाहिए, ताकि आपका शरीर संक्रमण से बच सके।

आयुर्वेदिक काढ़ा

आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों, मसालों और औषधीय पौधों को उबालकर काढ़ा तैयार किया जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, यह पाचन को बेहतर बनाने, कफ को संतुलित करने और शरीर की प्राकृतिक रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए फायदेमंद माना जाता है।

काढ़ा बनाने का सही तरीका

तुलसी, अदरक और काली मिर्च का काढ़ा- दो कप पानी में 10-12 तुलसी के पत्ते, कुचला हुआ अदरक का एक छोटा टुकड़ा और 3-4 कुटी हुई काली मिर्च डालकर तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। इसके बाद, मिश्रण को छान लें और हल्का गर्म होने पर, पीने से पहले इसमें स्वादानुसार गुड़ मिलाएं।

गिलोय, हल्दी और पुदीने वाला काढ़ा

गिलोय के तने का एक छोटा टुकड़ा कूट लें और इसे दो कप पानी में डालें। इसमें आधा चम्मच हल्दी और 4-5 पुदीने की पत्तियां मिलाएं, फिर इस मिश्रण को तब तक उबालें जब तक पानी अपनी शुरुआती मात्रा का आधा न रह जाए। आखिर में, इस मिश्रण को छान लें और स्वाद के लिए इसमें मिश्री या सेंधा नमक मिलाकर हल्का गर्म होने पर ही पिएं।

दालचीनी, लौंग और काली मिर्च का काढ़ा

दो कप पानी में दालचीनी का टुकड़ा, 2-3 लौंग, 3-4 काली मिर्च और तुलसी की कुछ पत्तियां डालकर उबालें। जब पानी उबलकर आधा रह जाए, तो इसे छान लें और हल्का गर्म होने पर पी लें।

हल्का आहार

इस मौसम में हल्का, ताज़ा और आसानी से पचने वाला भोजन करना सबसे अच्छा रहता है। भारी, तला-भुना और बासी खाना पाचन शक्ति को और कमज़ोर कर सकता है। मानसून में नमी के कारण इन्फेक्शन का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए बाहर का खाना या बिना ढका हुआ खाना खाने से बचना चाहिए। खानपान में मूंग की दाल, उबली हुई सब्जियां और हल्के मसालों से बनी चीजें शामिल करनी चाहिए।

योग आसन

इस मौसम में शरीर को चलाऊ रखने के लिए व्यायाम करना बेहद जरूरी है। इससे शरीर सक्रिय रहता है और पाचन-अग्नि का संतुलन बना रहता है। इस मौसम में योग के ये आसन विशेष रूप से फायदेमंद माने जाते हैं:

वज्रासन
त्रिकोणासन
सेतुबंधासन और
पादहस्तासन

एक्सपर्ट ने बताईं सावधानियां

डॉ चंचल शर्मा (आशा आयुर्वेद) कहती हैं कि काढ़ा फायदेमंद माना जाता है, लेकिन इसे सीमित मात्रा में ही लेना चाहिए। आमतौर पर, दिन में एक या दो बार आधा कप काढ़ा लेना काफी माना जाता है। यदि आप गर्भवती हैं, स्तनपान करा रही हैं, किसी पुरानी बीमारी से पीड़ित हैं, या नियमित दवा ले रही हैं, तो नियमित रूप से किसी भी आयुर्वेदिक काढ़े का सेवन करने से पहले डॉक्टर या योग्य आयुर्वेद विशेषज्ञ से परामर्श अवश्य लें।

ठंडा पानी, आइसक्रीम और फ्रिज में रखी ठंडी चीज़ों से बचें, सिर्फ़ उबला हुआ पानी पिएं और घर में फर्श पर पानी जमा न होने दें, ताकि मच्छरों से होने वाली बीमारियों से बचा जा सके। इसके साथ ही, साफ-सफाई बनाए रखना भी ज़रूरी है, क्योंकि इस मौसम में संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। ताज़े फलों और सब्जियों को अच्छी तरह धोने के बाद ही खाना चाहिए।

पुराने स्टाइल में बालों को कर्ल करने के लिए इस्तेमाल करें रोलर

बालों को कर्ल करने के लिए कई तरीके हैं, जिनमें से एक है रोलर का इस्तेमाल करना। यह तरीका न केवल आसान है, बल्कि इसके जरिए आप अपने बालों को एक अलग और आकर्षक लुक दे सकती हैं। रोलर का इस्तेमाल करके आप बिना हीटिंग उपकरणों के अपने बालों को कर्ल कर सकती हैं। इस लेख में हम आपको रोलर का सही तरीके से इस्तेमाल करने के लिए कुछ टिप्स देंगे, जिससे बाल पुराने समय की तरह कर्ल हो जाएंगे।

बालों को तैयार करें

रोलर का इस्तेमाल करने से पहले अपने बालों को अच्छी तरह से धो लें। इसके लिए एक हल्के शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें। इसके बाद बालों को तौलिये से हल्का-सा सुखा लें, ताकि उनमें नमी बनी रहे, लेकिन वे गीले न हों। इससे रोलर आसानी से बालों में सेट हो सकेंगे और कर्ल लंबे समय तक टिके रहेंगे। इसके अलावा बालों में कुछ हल्का स्टाइलिंग उत्पाद लगाएं, ताकि कर्ल अच्छे से सेट हो सकें।

सही आकार और प्रकार चुनें

रोलर कई आकार और प्रकार में आते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि आप अपने बालों की लंबाई और मोटाई के अनुसार सही रोलर चुनें। छोटे रोलर छोटे कर्ल बनाने के लिए अच्छे होते हैं, जबकि बड़े रोलर लंबे और बड़े कर्ल के लिए बेहतर होते हैं। इसके अलावा आप अलग-अलग प्रकार के रोलर, जैसे कि वेल्क्रो रोलर, सॉफ्ट रोलर और प्लास्टिक रोलर भी आजमा सकती हैं। यह आपके बालों की जरूरत और स्टाइल पर निर्भर करता है।

बालों को हिस्सों में बांटे

रोलर लगाने से पहले अपने बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट लें। इससे यह आसान हो जाएगा कि आप हर हिस्से पर ध्यान दे सकें और सभी बालों को समान रूप से सेट कर सकें। इसके लिए पहले बालों को बीच से अलग करके 2 हिस्सों में बांट लें, फिर हर हिस्से को छोटे-छोटे सेक्शन में बांटकर रोलर लगाएं। इससे आपके कर्ल पूरे दिन टिके रहेंगे और आपके बालों को एक खूबसूरत लुक देंगे।

रोलर को सही तरीके से लगाएं

अब बारी आती है रोलर लगाने की। सबसे पहले एक हिस्से को लें और उसे रोलर पर लपेटें, फिर उसे जड़ों तक पहुंचाएं। इसके बाद रोलर को हल्का-सा दबाकर पिन या क्लिप से अच्छी तरह से बांधें, ताकि वह जगह पर टिका रहे। इसी तरह सभी हिस्सों पर रोलर लगाएं। अगर आप चाहें तो रोलर को रातभर लगा रहने दें और सुबह उठकर उन्हें हटा दें। इससे आपके बालों को एक खूबसूरत लुक मिलेगा।

सेटिंग स्प्रे का इस्तेमाल करें

रोलर हटाने के बाद अपने नए कर्ल पर सेटिंग स्प्रे लगाएं, ताकि वे लंबे समय तक टिके रहें। सेटिंग स्प्रे बालों को स्थिरता देता है और उन्हें उलझने से बचाता है। इसके अलावा सेटिंग स्प्रे आपके कर्ल को पूरे दिन प्राकृतिक जैसा बनाए रखता है। अगर आप चाहें तो हल्का-सा तेल भी लगा सकते हैं, ताकि आपके कर्ल चमकदार दिखें और मुलायम महसूस हों। इससे आपके बालों को एक बेहतरीन लुक मिलेगा।

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों को धोते समय इन बातों का रखें ध्यान

मानसून के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियां कीटों और बैक्टीरिया से अधिक प्रभावित होती हैं। इसलिए इन्हें इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह से धोना बहुत जरूरी है। हालांकि, कई लोग इन सब्जियों को सामान्य पानी से ही धो देते हैं, जो कि सही तरीका नहीं है। आइए आज हम आपको हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें आजमाकर आप कीटों और बैक्टीरिया से छुटकारा पा सकते हैं।

नमक के पानी का करें इस्तेमाल

हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए नमक का पानी सबसे अच्छा तरीका है। इसके लिए एक बाल्टी पानी लें और उसमें एक बड़ी चम्मच नमक मिलाएं। अब इस मिश्रण में हरी पत्तेदार सब्जियों को 10-15 मिनट के लिए भिगोकर छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी आसानी से निकल जाएगी और सब्जियां ताजगी से भरी रहेंगी। नमक का पानी बैक्टीरिया को भी खत्म करता है, जिससे सब्जियां सुरक्षित रहती हैं।

सिरका भी है असरदार

सिरका एक बढ़िया उपाय है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में दो बड़े चम्मच सिरका मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें। यह तरीका सब्जियों को ताजगी से भरा रखता है और उन्हें सुरक्षित भी बनाता है।

नींबू का रस आएगा काम

नींबू का रस भी हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने के लिए अच्छा तरीका हो सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक नींबू का रस निचोड़ें और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

बेकिंग सोडा का करें उपयोग

बेकिंग सोडा एक ऐसा पदार्थ है, जो हरी पत्तेदार सब्जियों को धोने में मदद कर सकता है। इसके लिए एक बाल्टी पानी में एक चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं और इसमें हरी पत्तेदार सब्जियों को 5-10 मिनट तक भिगोकर छोड़ दें। इससे न केवल कीट और गंदगी निकल जाएगी, बल्कि बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को साफ पानी से धो लें।

गर्म पानी का उपयोग भी है अच्छा उपाय

गर्म पानी का उपयोग करके भी आप हरी पत्तेदार सब्जियों को अच्छे से धो सकते हैं। इसके लिए एक बर्तन में गर्म पानी भरें और उसमें एक चम्मच नमक मिलाएं। अब हरी पत्तेदार सब्जियों को इस पानी में डालकर 5-10 मिनट तक छोड़ दें। इससे कीट और गंदगी निकल जाएगी, बैक्टीरिया भी मर जाएंगे। इसके बाद सब्जियों को ठंडे पानी से धो लें।

अब आप नहीं, आपका एआई करेगा यूपीआई पेमेंट ! जानिए क्या है 'यूनीफाइड एजेंट प्रोटोकॉल' और कैसे बदलेगा जेब का गणित

NPCI एक यूनिफाइड एजेंट प्रोटोकॉल (UAP) विकसित कर रहा है। UAP को एक भरोसेमंद, सामान्य और इंटरऑपरेबल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके जरिए एआई एजेंट को यूपीआई इकोसिस्टम में ट्रांजैक्शन करने के लिए रजिस्टर, वेरिफाई और ऑथराइज्ड किया जा सकेगा, और इसके लिए पेमेंट सिस्टम के मौजूदा इंफ्रा में कोई बदलाव नहीं करना पड़ेगा।

सोचिए कि आप अपने एआई असिस्टेंट से अगले मंगलवार के लिए मुंबई-दिल्ली फ्लाइट बुक करने के लिए कहते हैं, और वह सिर्फ आपको ऑप्शन नहीं दिखाता-बल्कि खुद सबसे अच्छा ऑप्शन चुनता है, आपकी डिटेल्स भरता है और पेमेंट भी कर देता है। खास बात तो ये है कि यह सब बिना आपके कुछ किए, बस आपके कहने पर हो जाता है।

आज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) एजेंट फ्लाइट बुक करने या ऑनलाइन शॉपिंग जैसे कामों के लिए ऑप्शन खोज सकते हैं, उनकी तुलना कर सकते हैं और सुझाव दे सकते हैं। लेकिन जब यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) के जरिए पेमेंट करने की बात आती है, तो यह प्रोसेस रुक जाता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि सिर्फ यूजर और रजिस्टर्ड पेमेंट ऐप्स ही यूपीआई ट्रांजेक्शन कर सकते हैं, एआई एजेंट नहीं।

अगले कुछ समय के बाद आपको ऐसा होता हुआ दिखाई दे सकता है। नेशनल पेमेंट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया ऐसे ही एक सिस्टम पर काम कर रहा है, जिसका नाम Unified Agent Protocol है। इस सिस्टम के तहत एआई के थ्रू ही आपका पेमेंट होगा। ना तो इसके लिए क्यूआर कोड की जरुरत होगी, ना किसी तरह के पिन की। आइए इसके बारे में विस्तार से समझने की कोशिश करते हैं...

एआई आज सीधे पेमेंट क्यों नहीं कर सकता?

UPI में ऑटो-पे (AutoPay) और रिजर्व पे (Reserve Pay) जैसे फीचर हैं, जो यूजर्स को खर्च की सीमा तय करके और एक बार अपने UPI पिन से ऑथेंटिकेट करके बार-बार होने वाले या भविष्य में होने वाले पेमेंट को परमीशन की सुविधा प्रोवाइड कराते हैं। इनका इस्तेमाल आमतौर पर नेटफ़्लिक्स जैसी सब्सक्रिप्शन सर्विसेज या पहले से मंजूर किए गए अन्य ट्रांजैक्शन के लिए किया जाता है। लेकिन यह एआई एजेंट को स्वतंत्र रूप से खरीदारी के फैसले लेने और यूजर की ओर से पेमेंट करने की अनुमति देने जैसा नहीं है। इस अंतर को पाटने के लिए, खबर है कि NPCI एक यूनिफाइड एजेंट प्रोटोकॉल (UAP) विकसित कर रहा है। यह UPI इकोसिस्टम के भीतर AI एजेंट को वेरिफाई और ऑथराइज्ड करने के लिए एक प्रस्तावित फ्रेमवर्क है।

UAP से कैसा आ सकता है बदलाव?

बिज़नेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, UAP को एक भरोसेमंद, सामान्य और इंटरऑपरेबल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए डिजाइन किया जा रहा है। इसके जरिए एआई एजेंट को यूपीआई इकोसिस्टम में ट्रांजैक्शन करने के लिए रजिस्टर, वेरिफाई और ऑथराइज्ड किया जा सकेगा, और इसके लिए पेमेंट सिस्टम के मौजूदा इंफ्रा में कोई बदलाव नहीं करना पड़ेगा।

UAP, यूपीआई की जगह नहीं लेगा। इसके बजाय, यह मौजूदा सिस्टम के ऊपर एक वेरिफिकेशन लेयर के तौर पर काम करेगा, जिससे भरोसेमंद एआई एजेंट मौजूदा पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर को बनाए रखते हुए सुरक्षित रूप सेयूपीआई के साथ इंटरैक्ट कर सकेंगे। अगर इसे लागू किया जाता है, तो UAP पेमेंट इकोसिस्टम को यह वेरिफाई करने का तरीका देगा कि ट्रांज़ैक्शन प्रोसेस होने से पहले एआई एजेंट यूजर की सहमति से काम कर रहा है।

यह कैसे काम कर सकता है?

हालांकि इसके काम करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानकारी उपलब्ध है, लेकिन उम्मीद है कि UAP मौजूदा यूपीआई इंफ्रास्ट्रक्चर के ऊपर काम करेगा। पेमेंट का तरीका कुछ ऐसा हो सकता है:

यूजर इंस्ट्रक्शन देगा→ एआईअसिस्टेंट ऑप्शंस को कंपेयर करेगा, उसके बाद सबसे अच्छा ऑप्शन चुनेगर और पेमेंट रिक्वेस्ट जेनरेट करेगा। उसके बाद UAP यह वेरिफाई करेगा कि AI एजेंट रजिस्टर्ड है, भरोसेमंद है और यूजर की ओर से काम करने के लिए ऑथराइज्ड है। रिक्वेस्ट यूपीआई के जरिए भेजा जाएगा, यूजर या तो ट्रांज़ैक्शन को मंज़ूरी देगा है, या तय सीमा के अंदर पहले से मंजूर पेमेंट के मामले में, लागू नियमों के आधार पर पेमेंट अपने-आप पूरा हो जाएगा।

क्या एआई को आपके पैसे का पूरा एक्सेस मिल जाएगा?

नहीं, ज़रूरी नहीं। हालांकि फाइनल फ्रेमवर्क की घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उम्मीद है कि यह सिस्टम मौजूदा यूपीआई सर्विसेज जैसे ऑटोपे (AutoPay) और रिजर्व पे (Reserve Pay) की तरह काम करेगा, जहां यूजर अपने बैंक अकाउंट का अनलिमिटेड एक्सेस देने के बजाय खर्च की सीमा को पहले से मंजूर करते हैं।

पहले की मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, प्रस्तावित प्रोटोकॉल से यह वेरिफाई होने की उम्मीद है कि क्या कोई AI एजेंट यूजर की ओर से काम करने के लिए ऑथराइज्ड है, उस अधिकार की सीमा तय की जाएगी, और अगर उन सीमाओं का उल्लंघन होता है तो जवाबदेही तय की जाएगी। हालांकि, अंतिम सुरक्षा उपाय इस बात पर निर्भर करेंगे कि NPCI और रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया (RBI) फ्रेमवर्क को कैसे डिजाइन करते हैं। UAP को लॉन्च करने से पहले NPCI को RBI की मंजूरी की भी जरूरत होगी।

क्या गड़बड़ हो सकती है?

जैसे-जैसे पेमेंट सिस्टम एआई एजेंटों को शामिल करने के लिए विकसित हो रहे हैं, वैसे-वैसे साइबर अपराधी और फ्रॉड करने वाले भी उनका फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। एआई असिस्टेंट को यूजर की ओर से परचेज करने की परमिशन देने से सेफ्टी और कंज्यूमर प्रोटेक्शन से जुड़ी नई चुनौतियां पैदा होती हैं।हालांकि यह तकनीक अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन यह नए रिस्क भी लेकर आती हैं।

यह क्यों जरूरी है?

अगर इसे लागू किया जाता है, तो UAP भारत को एजेंटिक पेमेंट (एजेंट के जरिए होने वाले पेमेंट) के लिए नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने वाले शुरुआती देशों में शामिल कर सकता है। यह यूपीआई को एक ऐसे पेमेंट सिस्टम से बदलकर, जिसे यूजर मैन्युअल रूप से चलाते हैं, एक ऐसे सिस्टम में बदल सकता है जिसका इस्तेमाल भरोसेमंद एआई एजेंट उनकी ओर से कर सकें।

एप्पल ने ओपनएआई को घेरा, गोपनीय डेटा और भविष्य के प्रोडक्ट्स की जानकारी चोरी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिग्गज टेक कंपनी एप्पल ने एआई कंपनी ओपनएआई और उसके हार्डवेयर प्रमुख के खिलाफ बड़ा कानूनी कदम उठाया है। एप्पल ने आरोप लगाया कि ओपनएआई ने सुनियोजित तरीके से उसके आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी गोपनीय जानकारी, डिजाइन और तकनीकी दस्तावेज हासिल करने की कोशिश की।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कैलिफोर्निया के नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में दायर मुकदमे में एप्पल ने कहा कि ओपनएआई के मुख्य हार्डवेयर अधिकारी टैंग टैन ने नौकरी के इंटरव्यू के दौरान एप्पल के कर्मचारियों को कंपनी के आने वाले प्रोडक्ट्स से जुड़ी जानकारी, कंपोनेंट्स, ड्रॉइंग और अन्य गोपनीय सामग्री साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

टैंग टैन पहले एप्पल में प्रोडक्ट डिजाइन के वाइस प्रेसिडेंट रह चुके हैं। उन्होंने आईफोन, एप्पल वॉच, एयरपॉड्स और कंपनी के कई अन्य हार्डवेयर प्रोडक्ट्स का नेतृत्व किया था।

मुकदमे में पूर्व आईफोन हार्डवेयर इंजीनियर चांग लियू का भी नाम शामिल है। एप्पल का आरोप है कि चांग लियू ने ओपनएआई के लिए हार्डवेयर विकसित करने के दौरान गैरकानूनी तरीके से एप्पल की दर्जनों गोपनीय हार्डवेयर फाइलों तक पहुंच बनाई। इन फाइलों में अभी तक लॉन्च नहीं हुए प्रोडक्ट्स से जुड़ी विस्तृत तकनीकी जानकारी और इंजीनियरिंग प्रेजेंटेशन शामिल थे।

एप्पल ने यह भी आरोप लगाया कि ओपनएआई ने कई कर्मचारियों को यह सलाह दी कि वे कंपनी छोड़ते समय इस तरह कदम उठाएं, जिससे गोपनीय फाइलों तक उनकी पहुंच बनी रहे।

हालांकि, ओपनएआई ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। कंपनी का कहना है कि उसे किसी दूसरी कंपनी के व्यापारिक रहस्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है और वह ऐसी नई तकनीक विकसित करने पर ध्यान दे रही है, जो दुनिया भर के लोगों को सशक्त बनाए।

हाल के वर्षों में एप्पल और ओपनएआई के बीच करीबी साझेदारी रही है। ओपनएआई ने एप्पल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म और सिरी डिजिटल असिस्टेंट के लिए अहम तकनीक उपलब्ध कराई थी। लेकिन पिछले एक साल में दोनों कंपनियों के रिश्तों में तनाव बढ़ गया। इसकी एक वजह ओपनएआई द्वारा एप्पल के पूर्व चर्चित डिजाइन प्रमुख जॉनी इवे को नए डिवाइस विकसित करने के लिए अपने साथ जोड़ना भी बताया गया है।

मुकदमे में एप्पल ने यह भी दावा किया है कि ओपनएआई ने अपने प्रस्तावित आईपीओ से कुछ महीने पहले एप्पल के करीब 400 कर्मचारियों को अपने साथ जोड़ लिया। एप्पल का आरोप है कि तकनीकी स्टाफ से लेकर मुख्य हार्डवेयर अधिकारी तक, हर स्तर पर ओपनएआई ने अपने व्यावसायिक सहयोगियों के साथ मिलकर एप्पल के व्यापारिक रहस्य और गोपनीय जानकारी हासिल करने की कोशिश की।

एप्पल ने अदालत से मांग की है कि ओपनएआई उसके सभी स्वामित्व वाले गोपनीय दस्तावेज और सामग्री नष्ट करे तथा कथित रूप से कॉपी की गई तकनीक को हटाकर अपने आने वाले प्रोडक्ट्स का दोबारा डिजाइन तैयार करे।

पाकिस्तान में सेना बनाम सियासत : 'राजनीति करनी है तो वर्दी उतारें'

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सबसे प्रभावशाली धार्मिक और राजनीतिक नेताओं में से एक मौलाना फजलुर रहमान का वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में वे देश के सैन्य प्रतिष्ठान पर तीखा हमला करते दिख रहे हैं। ने सेना पर संवैधानिक भूमिका का उल्लंघन करने, राजनीति में हस्तक्षेप करने और हिंसाग्रस्त बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा में राज्य का शासन बहाल करने में विफल होने का आरोप लगाया।

पंजाब के कसूर में एक रैली को संबोधित करते हुए जमीयत उ ले मा - ए - इ स् ला म - फ ज ल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान ने कहा कि सेना को अपनी संवैधानिक सीमाओं के भीतर रहना चाहिए। अगर वह राजनीतिक भूमिका निभाना चाहती है तो उसे चुनाव लड़ना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अगर आप राजनीति करना चाहते हैं, तो वर्दी उतारकर आएं। चुनावों में भाग लें। इससें यह साफ हो जाएगा कि लोग वर्दीधारी लोगों को कितने वोट देते हैं।'

मौलाना फजलुर रहमान ने क्या दावा किया?

फजलुर रहमान ने पाकिस्तान की सुरक्षा स्थिति को लेकर दावा किया कि हिंसा के पश्तून-बहुसंख्यक क्षेत्रों में भी फैलने से पहले राज्य ने बलूचिस्तान के बड़े हिस्सों पर अपना नियंत्रण लगातार खो दिया था। उन्होंने पूछा ' देश बिखर रहा है। शासक कहां हैं?' 'बलूच क्षेत्रों में विद्रोह हुए थे। पूरा बलूच क्षेत्र पाकिस्तान के नियंत्रण से बाहर हो गया था। आज भी वहां पाकिस्तानी सरकार का कोई शासन नहीं है।' उन्होंने दावा किया कि बिगड़ती सुरक्षा स्थिति अब खैबर पख्तूनख्वा तक फैल गई है।

फजलुर रहमान की टिप्पणियों का कारण क्या था?

यह तीखी आलोचना पाकिस्तान सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की ओर से नागरिकों से आतंकवादी समूहों के खिलाफ लड़ाई में सेना के साथ खड़े होने का आग्रह करने के कुछ दिनों बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि व्यापक जन समर्थन के बिना सशस्त्र बल अकेले आतंकवाद को खत्म नहीं कर सकते। फजलुर रहमान ने अपील को सिरे से खारिज कर दिया और तर्क दिया कि देश की रक्षा करना सेना का संवैधानिक दायित्व है। नागरिकों से राज्य की लड़ाई लड़ने के लिए नहीं कहा जाना चाहिए।

होर्मुज को लेकर फिर छिड़ी जंग, अमेरिका ने ईरान पर शुरू की बमबारी, मिसाइल सिस्टम को बनाया निशाना

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच रविवार को तनाव और बढ़ गया, जब अमेरिकी सेना ने होर्मुज स्ट्रेट के आस-पास ईरान के सैन्य ठिकानों पर नए हमले किए। ये हमले एक-दूसरे पर किए जा रहे हमलों और जवाबी हमलों के सिलसिले का ही हिस्सा थे, क्योंकि ईरान इस जलमार्ग से होने वाली शिपिंग पर अपना नियंत्रण जमाना चाहता है। अमेरिकी सेना ने इस रणनीतिक जलमार्ग के आस-पास कई जगहों पर ईरान के मिसाइल सिस्टम, एयर डिफेंस साइट्स और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) द्वारा चलाई जा रही छोटी स्पीडबोट्स पर हमले किए।

अमेरिकी सेना ने कहा कि उसने ईरान के खिलाफ एक और दौर के हमले किए हैं, ताकि होर्मुज स्ट्रेट से गुज़रने वाले कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की उनकी क्षमता को कम किया जा सके। ये हमले ईरान में रात भर और आज सुबह तक जारी रहे। इससे पहले रविवार सुबह सेना ने हमले किए थे, जो एक दिन पहले इस अहम समुद्री रास्ते में एक कंटेनर जहाज़ पर ईरान के हमले के जवाब में थे। ईरान ने उन हमलों का जवाब खाड़ी के अरब देशों पर हमला करके दिया। हिंसा का यह सिलसिला बढ़ता गया, जिससे तेहरान और वॉशिंगटन के बीच युद्ध खत्म करने की बातचीत टूटने की कगार पर पहुंच गई। अमेरिका ने रविवार को ईरान पर हमला किया। यह हमला होर्मुज स्ट्रेट में एक कंटेनर जहाज पर ईरान के हमले के जवाब में था, जिसमें जहाज़ में आग लग गई थी और एक क्रू मेंबर लापता हो गया था। ईरान ने बहरीन, कुवैत, कतर, जॉर्डन और ओमान पर हमले करके जवाब दिया, ये देश स्ट्रेट के दूसरी तरफ हैं और तेहरान ने शिपिंग ट्रैफिक को मैनेज करने में सहयोग के लिए उन पर दबाव डाला था।

अमेरिका ने दिन में बाद में फिर हमला किया। स्ट्रेट के पास स्थित केशम द्वीप के गवर्नर ने ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी IRNA को बताया कि सैन्य ठिकानों पर प्रोजेक्टाइल दागे गए, लेकिन कोई हताहत नहीं हुआ। तटीय शहर बंदर अब्बास और उत्तर में हाजीआबाद शहर में भी धमाकों की आवाज सुनी गई। अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया कि ईरान की कमर्शियल जहाजों पर हमला करने की क्षमता को और कम करने के लिए कुछ जगहों पर मिसाइल और एयर डिफेंस सिस्टम और पैरामिलिट्री रिवोल्यूशनरी गार्ड की नावों पर हमले किए गए। उन्होंने नाम न बताने की शर्त पर यह बात कही क्योंकि उन्हें मिलिट्री ऑपरेशन्स के बारे में सार्वजनिक रूप से बात करने की इजाजत नहीं थी।

ईरान और अमेरिका अपनी उस 60 दिन की अंतरिम डील के लगभग आधे रास्ते पर हैं, जिसका मकसद युद्ध को हमेशा के लिए खत्म करना है। होर्मुज स्ट्रेट, जो तेल और प्राकृतिक गैस की ग्लोबल सप्लाई के लिए एक अहम रास्ता है और जिसे लंबे समय से एक इंटरनेशनल जलमार्ग माना जाता रहा है, बातचीत में एक अड़चन बन गया है। ऐसी बातचीत जो अब टूटने के कगार पर दिख रही है। एक बयान के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि अगर फिर से बड़े पैमाने पर लड़ाई शुरू हुई, तो इसके नतीजे बहुत भयानक होंगे। ईरान का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट बंद है, लेकिन अमेरिका इससे सहमत नहीं है। रविवार को अमेरिकी सेना ने बताया कि उसने लगभग 140 ठिकानों पर हमला किया, जिनमें मिसाइल और ड्रोन लॉन्च साइट, गोला-बारूद के भंडार, संचार उपकरण और अन्य ठिकाने शामिल थे।

ये हमले हाल के दिनों की तुलना में ज्यादा जबरदस्त थे। ओमान के पास के रास्ते से गुजरने वाले जहाजों पर हुए हमलों के जवाब में अमेरिका ने पिछले हफ्ते ईरान को निशाना बनाते हुए तीन बार हवाई हमले किए। ये जहाज इस्लामिक रिपब्लिक के समुद्री क्षेत्र से बचने के लिए उस रास्ते का इस्तेमाल कर रहे थे।

'बातचीत की हर कोशिश चाहते थे राष्ट्रपति ट्रंप', पीएम नेतन्याहू ने बताई ईरान पर अमेरिकी नीति क्या?

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पहले ईरान के साथ बातचीत के जरिए परमाणु मुद्दे का समाधान निकालना चाहते थे। उनके मुताबिक, ट्रंप की कोशिश थी कि राजनयिक समझौते की सभी संभावनाएं पूरी तरह खत्म होने के बाद ही दूसरे विकल्पों पर विचार किया जाए।

एनबीसी के मीट द प्रेस कार्यक्रम में एक साक्षात्कार के दौरान नेतन्याहू ने जोर देकर कहा कि अगर तेहरान अपनी प्रतिबद्धताओं का उल्लंघन करता है, तो अमेरिकी नेता बल प्रयोग करने में संकोच नहीं करेंगे। नेतन्याहू ने कहा कि मुझे लगता है कि राष्ट्रपति ट्रंप

बातचीत के माध्यम से खास रूप से परमाणु मुद्दे पर समझौते तक पहुंचने की हर संभव कोशिश करना चाहते हैं। लेकिन जाहिर है, जब ईरान अपने हर वादे को तोड़ता है, तो वे बल प्रयोग करने से भी नहीं हिचकिचाते और आमतौर पर वादे करने के कुछ घंटों या कुछ मिनटों के भीतर ही वे ऐसा कर देते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि हमें राष्ट्रपति को अपना मौका देना चाहिए।'

नेतन्याहू ने आभार क्यों व्यक्त किया?

इस्राइल के प्रधानमंत्री ने ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं का मुकाबला करने में अमेरिका-इस्राइल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही कहा कि उनके संयुक्त प्रयासों ने तेहरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोक दिया है। उन्होंने कहा, 'आप जानते हैं इस्राइल इस बात के लिए बेहद आभारी है कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार और उन्हें पहुंचाने के साधन हासिल करने से रोकने के लिए सेना में शामिल हुआ, न केवल हमारे खिलाफ बल्कि पूरे पश्चिम और संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ।'

परमाणु को लेकर क्या बोले नेतन्याहू?

नेतन्याहू ने कहा कि बहुत से लोगों को इस बात का एहसास नहीं है कि ईरान अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने के कितने करीब आ गया था। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका और इस्राइल द्वारा हाल ही में किए गए सैन्य अभियानों ने तेहरान के कार्यक्रम को काफी हद तक पीछे धकेल दिया है।

ऑपरेशन का क्या नाम था?

उन्होंने आगे कहा, 'हमने ये दो ऑपरेशन किए, जिन्हें मिडनाइट हैमर और एपिक फ्यूरी कहा जाता है। हम इन्हें राइजिंग लायन और रोरिंग लायन कहते हैं; हमने वास्तव में इसे वापस पटरी पर ला दिया।'

अभी पश्चिम एशिया में क्या हालात?

ये टिप्पणियां अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर आई हैं। रविवार को, संयुक्त राज्य अमेरिका ने थल और जल आधारित लड़ाकू विमानों, ड्रोनों और नौसैनिक जहाजों द्वारा तैनात सटीक गोलाबारी का उपयोग करते हुए ईरान के 140 सैन्य ठिकानों पर हमले किए। लक्ष्यों में ईरान के मिसाइल और ड्रोन ठिकाने, नौसैनिक क्षमताएं, गोला-बारूद भंडारण सुविधाएं, संचार नेटवर्क और तटीय निगरानी स्थल शामिल थे। यह घटनाक्रम होर्मुज जलडमरूमध्य में साइप्रस के ध्वज वाले कंटेनर पोत एम/वी जीएफएस गैलेक्सी पर आईआरजीसी द्वारा किए गए हमले के बाद हुआ । इसके अलावा, सरकारी प्रसारक आईआरआईबी के अनुसार, ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने ओमान के दुक्म बंदरगाह पर अमेरिकी विमानवाहक पोतों द्वारा उपयोग किए जाने वाले रसद सहायता केंद्रों और ईंधन भरने वाले प्लेटफार्मों पर एक भारी और अचानक हमला किया है।

पेपर लीक पर सख्त कार्रवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट में दायर हुई जनहित याचिका

नई दिल्ली, एजेंसी। पेपर लीक मामलों पर सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिका में केंद्र और राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई है कि वे देश भर में पेपर लीक मामलों की समय-सीमा के भीतर जांच और तेजी से सुनवाई सुनिश्चित करने के लिए एक मानक प्रश्नावली और विशेष जांच प्रक्रिया तैयार करें। अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में भ्रष्टाचार विरोधी, मनी लॉन्ड्रिंग, बेनामी संपत्ति और काले धन कानूनों के प्रावधानों को लागू करने के अलावा, पेपर लीक के अपराधियों और अपराध में कथित रूप से शामिल उनके परिवार के सदस्यों की चल और अचल संपत्तियों की जब्ती के लिए निर्देश देने की भी मांग की गई है।

याचिका में, जिसमें केंद्र सरकार, सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों, साथ ही भारत के विधि आयोग को प्रतिवादी बनाया गया है, यह तर्क दिया गया है कि बार-बार होने वाले पेपर लीक के देशव्यापी प्रभाव होते हैं, जिससे छात्र और उनके परिवार गंभीर रूप से प्रभावित होते हैं। याचिका में कहा गया है, 'पेपर लीक का देशव्यापी असर हुआ है, जिससे छात्रों और उनके परिवारों पर बुरा असर पड़ा है और कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली है।'

याचिका के अनुसार, पेपर लीक के लिए जिम्मेदार लोगों को रोकने, जांच करने और प्रभावी ढंग से मुकदमा चलाने में अधिकारियों की लगातार विफलता के परिणामस्वरूप संविधान के अनुच्छेद 14, 16 और 21 के तहत गारंटीकृत मौलिक अधिकारों का लगातार उल्लंघन हो रहा है। याचिका में 3 मई, 2026 को कथित एनईईटी पेपर लीक का जिक्र करते हुए कहा गया कि इस घटना ने लाखों छात्रों को प्रभावित किया और परीक्षा संबंधी अपराधों से निपटने में प्रणालीगत कमियों को उजागर किया। जनहित याचिका में दावा किया गया है कि बार-बार पेपर लीक की घटनाओं के कारण छात्रों को वित्तीय कठिनाई, शैक्षिक और रोजगार के अवसरों की हानि, गंभीर मनोवैज्ञानिक समस्याएं, बढ़ती आत्महत्याओं का बोझ झेलना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने पारसनाथ डेवलपर्स और उसके निदेशकों के बैंक खाते फ्रीज किए

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पारसनाथ डेवलपर्स और उसके निदेशकों के बैंक खातों को तत्काल प्रभाव से फ्रीज करने का आदेश दिया। साथ ही कंपनी के अधिकारियों के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए। अदालत ने वरिष्ठ नागरिकों द्वारा अपने घर का कब्जा पाने के लिए पिछले 20 वर्षों से किए जा रहे संघर्ष का संज्ञान लेते हुए यह सख्त रुख अपनाया। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने नियामक प्राधिकरणों की निष्क्रियता पर गंभीर चिंता जताई। अदालत ने हरियाणा सरकार के तंत्र और बिल्डर के बीच संभावित मिलीभगत की भी आशंका व्यक्त की। मामला कैंसर से उबर चुकीं रीता टिक्कू और लोकेश टिक्कू की ओर से दायर याचिका से संबंधित है। दोनों ने गुरुग्राम के सेक्टर-53 स्थित पारसनाथ एक्सोटिका परियोजना में अपनी जीवनभर की जमा पूंजी निवेश की थी। याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2006 में आवासीय इकाइयां आवंटित की गई थीं और वर्ष 2007 की शुरुआत में फ्लैट खरीदार समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। करीब 1.78 करोड़ रुपये की पूरी कीमत चुकाने के बावजूद उन्हें वर्ष 2013 तक फ्लैट का कब्जा नहीं मिला। दो दशक बीत जाने के बाद भी परियोजना अब तक अधूरी है।

याचिकाकर्ताओं को वर्ष 2021 में हरियाणा रियल एस्टेट नियामक प्राधिकरण (एचआरईआरए) से राहत मिली थी, जिसने बिल्डर को मुआवजा देने का आदेश दिया था। हालांकि, बिल्डर ने न तो उस आदेश को चुनौती दी और न ही उसका पालन किया।

दिल्ली में महिलाओं को हर महीने मिलेंगे 2500 रुपये: मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अपनी प्रमुख महिला समृद्धि योजना का आधिकारिक नाम बदलकर दिल्ली लक्ष्मी योजना कर दिया है। योजना के तहत 21 से 60 वर्ष आयु वर्ग की पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2500 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। दिल्ली सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना को अगले माह रक्षाबंधन के आसपास शुरू करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस योजना के लिए पात्रता संबंधी मानकों भी तय कर दिए गए हैं।

योजना को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य सचिव राजीव वर्मा सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि योजना का लाभ पात्र महिलाओं तक पारदर्शी, सरल और समयबद्ध तरीके से पहुंचे तथा इसके क्रियान्वयन में किसी प्रकार की प्रशासनिक बाधा न आने पाए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण केवल एक सामाजिक संकल्प नहीं, बल्कि विकसित भारत की आधारशिला बन चुका है। प्रधानमंत्री ने हमेशा महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को देश की प्रगति का सबसे प्रभावी माध्यम माना है। उसी सोच को आगे बढ़ाते हुए दिल्ली सरकार राजधानी की महिलाओं को 'दिल्ली लक्ष्मी योजना' के माध्यम से आर्थिक रूप से सशक्त, आत्मनिर्भर और सम्मानजनक जीवन जीने का मजबूत आधार उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा विश्वास है कि जब घर की महिला आर्थिक रूप से मजबूत होगी, तब परिवार, समाज और राष्ट्र, तीनों की प्रगति को नई गति मिलेगी। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि योजना के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि इसका लाभ केवल वास्तविक पात्र लाभार्थियों तक ही पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य योजना को पूरी पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू करना है।

बैठक में योजना की पात्रता संबंधी मानकों पर भी विस्तार से चर्चा हुई। निर्णय के अनुसार योजना का लाभ केवल उसी महिला को मिलेगा, जो स्वयं या उसका परिवार कम से कम 10 वर्षों से दिल्ली की निवासी हो। लाभार्थी व उसके परिवार के विरुद्ध किसी प्रकार का आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होना चाहिए। परिवार में आयु के आधार पर सबसे बड़ी महिला ही इस योजना की पात्र होगी तथा एक परिवार से केवल एक महिला को ही इसका लाभ दिया जाएगा।इसके अलावा लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय ढाई लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। जो महिला पहले से सरकार की किसी पेंशन अथवा अन्य नियमित आर्थिक सहायता योजना का लाभ ले रही है, वह इस योजना के लिए पात्र नहीं होगी।

सिल्क साड़ी में जाह्नवी कपूर ने बिखेरा जलवा, ट्रेडिशनल आउटफिट में लगाया बोल्डनेस का तड़का

साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है।

बॉलीवुड की यंग और खूबसूरत एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

इन लेटेस्ट तस्वीरों में जाह्नवी का एक अलग ही अंदाज देखने को मिल रहा है, जहां उन्होंने भारतीय परंपरा को बोल्डनेस के साथ पेश किया है। तस्वीरों में जाह्नवी कपूर ने एक बेहद खूबसूरत लैवेंडर और गोल्डन शेड वाली सिल्क साड़ी पहनी हुई है। साड़ी का बॉर्डर काफी हैवी है, जो इसे बेहद रॉयल लुक दे रहा है।

साड़ी के साथ जाह्नवी ने मैचिंग स्ट्रैपलेस स्टाइल ब्लाउज कैरी किया है, जो उनके इस एथनिक लुक में मॉडर्न और ग्लैमरस टच जोड़ रहा है।

तस्वीरों में जाह्नवी एक से बढ़कर एक सेक्सी और अट्रैक्टिव पोज देते नजर आ रही हैं। वह अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिख रही हैं। उनके इन बोल्ड पोज ने ट्रेडिशनल लुक में भी हॉटनेस का तड़का लगा दिया है।

जाह्नवी ने न्यूड-ग्लॉसी लिपस्टिक, सटल मेकअप, विंग्ड आईलाइनर और माथे पर एक छोटी सी बिंदी के साथ अपने चेहरे की खूबसूरती को निखारा है।

इस रॉयल लुक को पूरा करने के लिए जाह्नवी ने अपने बालों का एक नीट और क्लीन स्लीक जूड़ा बनाया हुआ है, जिसे पारंपरिक हेयर एक्सेसरीज से सजाया गया है।

ज्वेलरी की बात करें तो उन्होंने गले में एक बेहद हैवी कुंदन और पर्ल का चोकर नेकलेस, मैचिंग झुमके, हाथों में ढेर सारी खूबसूरत चूड़ियां, बाजूबंद और अंगूठियां पहनी हुई हैं, जो उनके लुक में चार चांद लगा रहे हैं।

कई प्रोजेक्ट्स ठुकराने पर बोलीं अनुपमा की अद्रिजा रॉय, मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन बिना जुड़ाव के किरदार नहीं

अनुपमा में राही कपाड़िया के किरदार से अभिनेत्री अद्रिजा रॉय ने घर-घर में पहचान बनाई है। अद्रिजा ने कहा कि वह वहीं किरदार निभाना पसंद करती है, जिससे उन्हें दिल से जुड़ाव महसूस होता है। वहीं उन्होंने आगे कहा कि अब महिलाओं के लिए लिखे जाने वाले किरदारों में काफी सुधार आया है और दर्शक भी महिला केंद्रित कहानियों को खुले दिल से स्वीकार कर रहे हैं। अद्रिजा रॉय ने कहा, मुझे लगता है कि चीजें पहले से काफी बेहतर हुई हैं। अब महिलाओं को ज्यादा अहमियत रखने वाले किरदार मिल रहे हैं। हालांकि अभी भी सुधार की गुंजाइश है, लेकिन अच्छी बात यह है कि दर्शक अब महिलाओं के नेतृत्व वाली कहानियों को स्वीकार कर रहे हैं। यह इंडस्ट्री के लिए एक सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि ऐसा होना स्वाभाविक है, क्योंकि जब कोई किरदार लोकप्रिय हो जाता है तो लोग उसी तरह के रोल में कलाकार को देखने लगते हैं।

उन्होंने कहा, जब कोई भूमिका लोकप्रिय हो जाती है तो लोग आपको उसी अंदाज में देखने लगते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि आपने उस किरदार को अच्छी तरह निभाया है। मैं इसके लिए किसी को दोष नहीं देती। लेकिन एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा खुद को और दर्शकों को सरप्राइज करना चाहती हूं। मैं एक ही तरह के किरदार बार-बार नहीं करना चाहती। मेरे लिए हर नया रोल कुछ नया सीखने का मौका होना चाहिए।

अद्रिजा ने अपने करियर के फैसलों को लेकर भी बात की। उन्होंने कहा, हर अभिनेता चाहता है कि उसके पास चुनने के लिए बहुत सारे विकल्प हों, लेकिन यह इंडस्ट्री हमेशा इस तरह काम नहीं करती। कई बार कोई अच्छा प्रोडक्शन हाउस आपको ऐसा किरदार देता है, जो शायद आपकी पहली पसंद न हो। ऐसे में पूरी तस्वीर देखनी चाहिए। कहानी क्या है, टीम कैसी है और किरदार शो में क्या योगदान दे रहा है, इन सभी चीजों को समझना जरूरी होता है। हर स्थिति में कोई एक सही या गलत जवाब नहीं होता। हर कलाकार को अपने हिसाब से फैसला लेना पड़ता है।

बातचीत के दौरान अद्रिजा ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने करियर में कुछ ऐसे प्रोजेक्ट्स को मना किया है, जिनसे वह खुद को जोड़ नहीं पाईं।

उन्होंने कहा, हां, मैंने कुछ प्रोजेक्ट्स के लिए मना किया है। ऐसा इसलिए नहीं था कि वे खराब थे, बल्कि इसलिए क्योंकि मैं उन किरदारों से जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई। अगर मैं किसी भूमिका पर विश्वास नहीं करती हूं, तो मेरे लिए उसके साथ न्याय करना मुश्किल हो जाता है। मैं इंतजार करना पसंद करूंगी, लेकिन ऐसा काम करना चाहती हूं जो मुझे अंदर से उत्साहित करे।

थलापति विजय की जन नायकन को सेंसर बोर्ड से मिला ए सर्टिफिकेट, रिलीज डेट भी कंफर्म

मिल एक्टर थलापति विजय इन दिनों फिल्म जन नायकन की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। हालांकि, तमिलनाडु के सीएम विजय जोसेफ पिछले 7 महीनों से ही अपनी अपकमिंग फिल्म की रिलीज की वजह से सुर्खियों में रहे हैं। मूवी सेंसर बोर्ड में अटकी हुई थी। इसे पहले जनवरी, 2026 में रिलीज किया जाना था लेकिन इसे सर्टिफिकेशन बोर्ड से हरी झंडी नहीं मिल पाई थी, जिसके बाद अब फैंस का ये 7 महीनों का इंतजार खत्म हो गया है।

तमिलनाडु सीएम थलापति विजय सीएम बनने से पहले अपनी आखिरी फिल्म के तौर पर वो अपने फैंस को इस फिल्म को एक गिफ्ट के तौर पर सौंपना चाहते थे लेकिन उनका ये सपना पूरा नहीं हो पाया लेकिन सीएम बनने के बाद अब उनकी इस फिल्म को रिलीज किया जाएगा। फिल्म को सेंसर बोर्ड से हरी झंडी मिली और इसकी रिलीज डेट भी तय हो गई है।

थलापति विजय की फिल्म को ए सर्टिफिकेट दिया गया है, जिसके बाद अब इसे दर्शक अगर फैमिली और बच्चों के साथ देखने का प्लान कर रहे हैं तो वो इसे नहीं दे पाएंगे। फिल्म को ए सर्टिफिकेशन मिलने की वजह से इसे केवल 18 साल की उम्र से ज्यादा के बच्चे ही थिएटर में देख पाएंगे।

गौरतलब है कि सीएम विजय जोसेफ की फिल्म जन नायकन के सर्टिफिकेशन की लड़ाई कोर्ट तक में चली थी। मेकर्स ने पूरे विवाद को लेकर मद्रास हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जहां पर सिंगल जज की बेंच ने फिल्म को तुरंत यू/ए 16+ सर्टिफिकेट देने की घोषणा की थी। हालांकि बाद में इस फैसले को भी बदल दिया गया था। फिर ये मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा था। मेकर्स ने फिल्म पर लगी रोक को हटाने की अपील की थी। सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाई कोर्ट को इस मसले को जल्द सुलझाने का आदेश दिया था।

इतना ही नहीं, विजय की फिल्म जन नायकन के ऑनलाइन लीक का भी मामला सामने आ चुका है। करीब 1।2 करोड़ लोगों द्वारा इसे गैरकानूनी ढंग से डाउनलोड किया था। इसका फेक सेंसर सर्टिफिकेट भी सामने आया था। हालांकि, जब विजय ने सीएम पद की शपथ ली तो उस समय कयास लगाए गए कि अब इसकी रिलीज देरी नहीं होगी और अब इस फिल्म रिलीज का समय भी आ गया।

जन नायकन की रिलीज की बात की जाए तो फिल्म की रिलीज डेट भी कंफर्म हो चुकी है। कनाडा के डिस्ट्रीब्यूटर यॉर्क सिनेमाज ने बुधवार को एक्स (पहले ट्विटर) पर एक पोस्ट शेयर करते हुए फिल्म की रिलीज डेट का खुलासा किया था। इसमें जानकारी दी गई थी कि इसे 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। आपको बता दें कि इस फिल्म में विजय के साथ एक्ट्रेस पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादक: प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com